www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 95 || अम्बेडकरनगर
शुक्रवार
26 जून 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः 2 ₹
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

https://epaper.tamsasanket.com

अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदयः 05:14
सूर्यास्तः 07:04
अधिकतमः 41:00
न्यूनतमः 31:00

पेज 07

विशेष समाचार | नशे से बर्बाद होते जीवन ... >> पेज 04 | राममंदिर को उड़ाने की ... >> पेज 06 | 52 साल की हुई करिश्मा ...

टिन्नू यादव समेत 8 नामजद, सांसद संजय सिंह ने जमीन घोटाले के सबूत एसआईटी को दिए

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में एफआईआर

चंपतराय का नाम नदारद

एक्शन

- आप विधायक बोले- महंत राजू दास का व्यवहार रावण तुल्य
- संत राजूदास बोले- केजरीवाल 'कालनेमि' की भूमिका में
- ट्रस्ट ने एफआईआर कराई

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने गुरुवार को FIR दर्ज कराई है। 8 आरोपी बनाए गए हैं। ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण मोहन ने SIT की शुरुआती रिपोर्ट के आधार पर मुकदमा लिखवाया है।

इससे पहले एसआईटी को आप सांसद संजय सिंह ने जमीन घोटाले से जुड़े सबूत दिए। संजय सिंह गुरुवार सुबह 11 बजे लखनऊ में SIT के अध्यक्ष विजय विश्वास पंत के ऑफिस पहुंचे। वे करीब 12 मिनट कमरे में रुके।

>> (शेष पेज 06 पर)

चंपत राय के इस्तीफे की खबर गलत

ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के इस्तीफे की खबर को मंदिर निर्माण प्रभारी गोपाल राव ने खारिज कर दिया है। गोपाल राव ने गुरुवार को कहा कि चंपत राय ने इस्तीफा नहीं दिया है। उन्होंने बताया-सोशल मीडिया पर झूठी और भ्रामक खबरें फैलाई जा रही हैं। लोगों को अफवाहों पर ध्यान नहीं देना चाहिए। मामले की जांच एसआईटी कर रही है। SIT रिपोर्ट का इंतजार कीजिए। इसके बाद दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। >> (शेष पेज 06 पर)

हिंदू महासभा ने ट्रस्टियों से मांगा त्यागपत्र

हिंदू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता मनीष पांडेय ने राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के ट्रस्टियों को पत्र भेजकर मंदिर से जुड़े कथित अनियमितताओं के मामलों की निष्पक्ष जांच की मांग की है। पत्र में वरिष्ठ अधिवक्ता के. परासरण, जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती, युगपुरुष परमानंद महाराज, पेजावर मठ के पीठाधीश्वर जगद्गुरु स्वामी विश्वप्रसन्न तीर्थ, स्वामी गोविंद गिरी महाराज, निर्मोही अखाड़े के महंत दिनेंद्र दास, राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास, ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा और महासचिव चंपत राय को संबोधित किया।

>> (शेष पेज 06 पर)

प्रवीण तोगड़िया बोले- राम मंदिर चढ़ावा चोरी के आरोपियों को फांसी हो

राममंदिर आंदोलन से जुड़े रहे और विश्व हिंदू परिषद के पूर्व प्रमुख प्रवीण तोगड़िया ने कहा- राममंदिर चढ़ावा चोरी मामले का केस फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाया जाए। दोषियों को फांसी की सजा दी जाए।

संजय सिंह ने बताया कि हमने 11 सबूत सौंप दिए हैं उन्होंने सभी के बारे में बताया

- हरीश-कुसुम पाठक से ट्रस्ट ने 4.97 करोड़ की जमीन 8 करोड़ में खरीदी। इसमें जो गवाह हैं, उनमें ऋषि कुमार उपाध्याय और अनिल मिश्रा हैं। अनिल मिश्रा ट्रस्ट के सदस्य हैं और ऋषि कुमार उस समय भाजपा के मेयर थे।2021 में सुल्तान अंसारी और रवि मोहन तिवारी ने जो जमीन हरीश-कुसुम पाठक से खरीदी, उसे 5 मिनट बाद ही साढ़े 18 करोड़ में ट्रस्ट को बेच दिया गया। मजेदार बात यह है कि दोनों खरीद में अनिल मिश्रा और ऋषि कुमार उपाध्याय गवाह हैं।
- 41.60 लाख की जमीन 2 करोड़ में बेची गई।
- ऋषि उपाध्याय के भतीजे ने 20 लाख में जमीन खरीदी, जिसे 7 महीने बाद ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय को बेचा गया।
- 14 मई 2020 को ऋषि उपाध्याय के भतीजे दीपनारायण को दान में जमीन मिली। वह जमीन चंपत राय को 1 करोड़ में बेची गई।
- 20 मई 2021 को ब्रज मोहन दास से 92.50 लाख की जमीन 5.60 करोड़ रुपये में चंपत राय ने खरीदी।
- 51.80 लाख की जमीन कितने में बेची गई, यह पता नहीं है, लेकिन इसे भी चंपत राय ने खरीदा था।
- 45 लाख की जमीन कितने में बेची गई, इसकी भी जानकारी नहीं है। यह जांच का विषय है।
- 16 नवंबर 2023 को 9 करोड़ की जमीन 55.47 करोड़ में खरीदी गई।
- 2 अप्रैल 2024 को 2.92 करोड़ की जमीन चंपत राय को 24 करोड़ में बेची गई।

संजय सिंह बोले- मैंने 11 सबूत एसआईटी अध्यक्ष को सौंपे, बचने का कोई रास्ता नहीं

सरकार ने कहा- पासपोर्ट यात्रा दस्तावेज, नागरिकता का प्रमाण नहीं

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि पासपोर्ट नागरिकता का प्रमाण नहीं, ये सिर्फ एक यात्रा दस्तावेज है। 14वीं पासपोर्ट सेवा दिवस सरकार ने कहा कि पासपोर्ट केवल अंतरराष्ट्रीय यात्रा की सुविधा के लिए जारी किया जाता है। इससे पहले SIR से जुड़ी सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट भी कह चुका है कि आधार कार्ड पहचान का दस्तावेज है, नागरिकता का नहीं। सोशल मीडिया पर कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत और वरिष्ठ वकील और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कहा कि पासपोर्ट एक यात्रा दस्तावेज है, नागरिकता का दस्तावेज नहीं।' तो फिर कौन सा दस्तावेज नागरिकता का सबूत है। वहीं, गीतकार और स्क्रिप्ट राइटर जावेद अख्तर ने पूछा कि जब पासपोर्ट को नागरिकता का 100% अकेला और अंतिम सबूत नहीं माना जाता, तो ऐसा कानून क्यों लाया जा रहा है।

'दोषी को सजा होगी जो गलत होगा उस पर कार्रवाई होगी'

भरत एनकाउंटरः 8 दिन बाद बोले सम्राट

प्रतिक्रिया

तमसा संकेत, एजेंसी

भोजपुर । भोजपुर के भरत तिवारी एनकाउंटर के 8 दिन बाद सीएम सम्राट चौधरी ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि समस्या यदि सामने आती है तो सरकार तुरंत चिंतित होकर आगे बढ़ेगी।सरकार ने सबसे ऊपर के आयोग का गठन किया है। जो गलत होगा उस पर कार्रवाई होगी।

इधर, भरत तिवारी मुठभेड़ की न्यायिक जांच शुरू हो गई है। गुरुवार सुबह रिटायर्ड जज विनोद कुमार सिन्हा अपनी टीम के साथ भरत तिवारी के गांव बिलौटी पहुंचे।

उनके साथ शाहबाद रेंज के DIG सत्य प्रकाश, भोजपुर के DM तनय सुल्तानिया, भोजपुर के SP राज समेत अन्य पुलिस पदाधिकारी भी मौजूद हैं। रिटायर्ड जज विनोद कुमार सिन्हा ने भरत तिवारी के माता-पिता और भाई से भी मुलाकात की है।

भरत तिवारी
मृतक

- रिटायर्ड जज से भरत की मां बोलीं-हत्यारों को फांसी हो, प्रशासन गुंडा है, एसडीएम को भी फंदे से लटकाओ

>> (शेष पेज 06 पर)

चंपत राय क्या राज जानते हैं जो पीएम भी मजबूर हैं : केजरीवाल

चंपत राय ने पीएम को हिसाब देने से मना कर दिया, इतनी हिम्मत कैसे हो गई?

कटाक्ष

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/अयोध्या। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल आज उत्तर प्रदेश के लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचे, जहां से वे सीधे अयोध्या के लिए रवाना हुए। एयरपोर्ट पर 'आप' कार्यकर्ताओं ने रोली तिलक लगाकर नारेबाजी करते हुए उनका भव्य जोरदार स्वागत किया। इस दौरान राज्यसभा सांसद और उत्तर प्रदेश प्रभारी संजय सिंह समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता उनके साथ मौजूद रहे। लखनऊ एयरपोर्ट पर मीडिया कर्मियों को संबोधित करते हुए अरविंद केजरीवाल ने अरबों रुपए के चढ़ावा चोरी मामले को लेकर प्रधानमंत्री की चुप्पी पर निशाना साधा।

- राम मंदिर से अरबों रुपए का चढ़ावा चोरी हो गया, लेकिन अभी तक एफआईआर नहीं हुई- केजरीवाल
- बिना एफआईआर एसआईटी की कोई पावर नहीं, ये सिर्फ बड़े लोगों को बचाने के लिए बनी है- केजरीवाल
- एसआईटी छोटे-छोटे कर्मचारियों को पूछताछ कर करोड़ों हिन्दुओं की आंखों में धूल झोंक रही है- केजरीवाल

>> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

महाराष्ट्र में नीट छात्र ने आत्महत्या की

नई दिल्ली/मुंबई । महाराष्ट्र के हिंगोली में 18 साल एक नीट अभ्यर्थी ने आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान सुशील धागे के रूप में हुई है। छात्र ने आत्महत्या से पहले मोबाइल फोन से अपना एक वीडियो रिकॉर्ड किया। फिर परिवार-वालों को वीडियो भेजकर उसने एक कुएं में छलांग लगा दी।

आदेश | सुनवाई

राहुल गांधी के खिलाफ कार्तिकेय मानहानि केस बंद

जबलपुर। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को कार्तिकेय मानहानि मामले में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने राहुल गांधी के खिलाफ चल रहे मानहानि केस को समाप्त करने के निर्देश भोपाल की MP-MLA कोर्ट को दिए हैं। मामले की सुनवाई जस्टिस प्रमोद कुमार अग्रवाल की एकलपीठ ने की। सुनवाई के दौरान राहुल गांधी ने हलफनामा पेश कर कहा था कि उन्होंने कन्फ्यूजन में कार्तिकेय सिंह चौहान का नाम लिया था। इस पर खेद भी व्यक्त किया था।

कोलकाता गोदाम हादसे में मरने वालों की संख्या 11 हुई

कोलकाता । कोलकाता के गोदाम हादसे में मरने वालों का आंकड़ा 11 हो गया है। गुरुवार को 6 और लोगों के शव मिले। 18 की हालत खतरे से बाहर है। हादसे के करीब 26 घंटे बाद भी सेना, NDRF, SDRF, कोलकाता पुलिस, दमकल विभाग, सेना और अन्य एजेंसियां संयुक्त रूप से मलबा हटाने और फंसे लोगों की तलाश में जुटी हैं।

जल्द मिलेगी 5 लाख की कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा : मुख्यमंत्री योगी

'संविधान हत्या दिवस पर लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान'

हेमन्त कृष्णा

तमसा संकेत, लखनऊ । आपातकाल की 51वीं बरसी पर आयोजित 'संविधान हत्या दिवस' कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकतंत्र सेनानियों को सम्मानित करते हुए उनके लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार जल्द ही लोकतंत्र सेनानियों को प्रतिवर्ष पांच लाख रुपये तक की कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराएगी। साथ ही उनके निधन पर राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार की व्यवस्था भी की जाएगी।

>> (शेष पेज 06 पर)

- 5 लाख रुपये तक कैशलेस इलाज की सुविधा मिलेगी
- अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ कराने की तैयारी
- प्रदेश में 3,780 लोकतंत्र सेनानी और 1,461 आश्रित

लोकतंत्र की रक्षा करने वालों का सम्मान करना गौरव की बात

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान करना गौरव की अनुभूति है। उन्होंने कहा कि इन लोगों ने लोकतंत्र और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए जेल की यातनाएं सहीं, अत्याचार झेले और अपने जीवन का महत्वपूर्ण समय संघर्ष में बिताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब उत्तर प्रदेश में लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति समर्पित सरकार बनी तो लोकतंत्र सेनानियों के सम्मान और कल्याण के लिए विशेष योजनाएं शुरू की गईं।

वेनेजुएला में भूकंप के 2 बड़े झटके, 164 की मौत, तीव्रता 7.5 और 7.2 रही

कापा वेनेजुएला

10,000
मृतकों की संख्या होने की आशंका

तबाही

तमसा संकेत, एजेंसी

कराकस, वेनेजुएला। वेनेजुएला में 39 सेकेंड में दो ताकतवर भूकंप से तबाही मच गई है। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में बुधवार शाम 6.04 बजे 7.2 और 6.05 बजे 7.5 तीव्रता के दो झटके आए। उस समय भारत में गुरुवार तड़के 3.34 और 3.35 बजे थे।

लोगों ने बताया कि भूकंप के बाद 60 सेकेंड तक शहर हिलता रहा। 20 ऑफ्टरशॉक भी दर्ज किए गए हैं। न्यूज एजेंसी AP के मुताबिक अब तक 164 मौतों की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 971 घायल हैं। ये भूकंप ऐसे दिन आए, जब पूरे देश में राष्ट्रीय अवकाश था। 1821 में स्पेन के खिलाफ आजादी की लड़ाई की ऐतिहासिक जीत की सालगिरह पर स्कूल और दफ्तर बंद थे। इसी वजह से ज्यादातर लोग अपने घरों में मौजूद थे। दोनों भूकंप राजधानी कराकस से करीब 290 किलोमीटर पश्चिम में आए।

>> (शेष पेज 06 पर)

अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक, भूकंप से 10 हजार से ज्यादा लोगों के मारे जाने की 44% आशंका है। वहीं, 30% आशंका एक लाख लोगों के जान गंवाने की भी है।

126 साल में सबसे बड़ा भूकंप, देश में इमरजेंसी

वेनेजुएला में यह पिछले 126 साल का सबसे बड़ा भूकंप है, इससे पहले 1900 में 7.7 का तीव्रता का भूकंप आया था। कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज ने राष्ट्रीय आपातकाल घोषित कर दिया।

चेतावनी : दिल्ली-एनसीआर में आंधी-बारिश से पेड़ गिरने, टेंट-शेड उड़ने का खतरा

कोलकाता में बारिश से सड़कें डूबीं जगह-जगह ट्रैफिक जाम

तमसा संकेत, एजेंसी

भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना । पश्चिम बंगाल के कोलकाता में गुरुवार दोपहर को मूसलाधार बारिश हुई। करीब दो घंटे की तेज बारिश से शहर की कई प्रमुख सड़कें डूब गईं। कोलकाता और साल्ट लेक के कई इलाकों में सड़कों पर पानी भरने से लंबा ट्रैफिक जाम लग गया।

भारी बारिश के कारण तारातला में ढहे गोदाम पर चल रहा रेस्क्यू ऑपरेशन भी प्रभावित हुआ है। बुधवार को हुए हादसे में 10 लोगों की मौत हुई है। अब तक मलबे से 30 लोगों को निकाला गया है। कई लोग अभी भी मलबे के नीचे दबे हैं। >> (शेष पेज 06 पर)

5 राज्यों में गर्मी का असर, पारा 40 डिग्री सेल्सियस पार

मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, बिहार के कई शहरों में बुधवार को पारा 40°C से ज्यादा रहा। देश में सबसे ज्यादा पारा उत्तर प्रदेश के बांदा में 44.2°C दर्ज किया गया। वहीं, यूपी के प्रयागराज में 43.4°C, राजस्थान के श्रीगंगानगर में 42.5°C, एमपी के खजुराहो 41.2°C और बिहार के पटना में 40.6°C रहा। बिहार के मुजफ्फरपुर में गर्मी को देखते हुए 8वीं तक के स्कूलों को 27 जून तक बंद कर दिया गया है।

22 राज्यों में मानसून पहुंचा, एमपी-बिहार में हीटवेव की आशंका

देश के 22 राज्यों में मानसून पहुंच चुका है। 24 जून को इसने मध्य प्रदेश और गुजरात में 9 दिन की देरी से एंट्री की। 5 जुलाई तक बाकी राज्यों को भी कवर कर सकता है। दिल्ली में मानसून का आना बाकी है लेकिन अगले कुछ दिनों में बारिश होने की संभावना है। उत्तर प्रदेश के पूर्वी हिस्से में अगले 4-5 दिनों तक हीटवेव चलने की आशंका है।

>> (पेज 06 पर)

मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि जुलाई और अगस्त जैसे सबसे ज्यादा बारिश वाले महीनों में भी लोगों को गर्मी और उमस का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए इस बार नजर सिर्फ मानसून की एंट्री पर नहीं, बल्कि इस बात पर रहेगी कि आने वाले हफ्तों में वह कितना सक्रिय बना रहता है।

1 जुलाई से पासपोर्ट बनवाना होगा महंगा

नॉर्मल कैटेगरी पासपोर्ट 2,500 और तत्काल 5,000 में बनेगा

फैसला

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । 1 जुलाई से पासपोर्ट बनवाना या री-इश्यू कराना महंगा होगा। केंद्र सरकार ने पासपोर्ट की फीस बढ़ाने का फैसला किया है। नए नियम 1 जुलाई 2026 से लागू होंगे। 36 पेज वाले सामान्य पासपोर्ट की फीस 1,500 रुपए से बढ़कर 2,500 रुपए हो जाएगी। वहीं, तत्काल पासपोर्ट के लिए अब 5,000 रुपए देने होंगे, जो पहले 3,500 रुपए थी।

60 पेज वाले पासपोर्ट की फीस भी बढ़ाई गई है। इसकी सामान्य फीस 2,000 रुपए से बढ़कर 3,500 रुपए और तत्काल फीस 4,000 रुपए से बढ़कर 6,000 रुपए हो जाएगी। मंत्रालय ने पासपोर्ट रूल्स, 1980 में संशोधन के बाद नई दरों को लेकर गजट नोटिफिके-शन जारी किया है। ये बढ़ोतरी 14 साल बाद की गई है। इससे पहले 2012 में फीस में बदलाव हुआ था।

- खोने या डैमेज होने पर 8,500 तक फीस

>> (शेष पेज 06 पर)

राजनाथ के छोटे बेटे की एंट्री, ओबीसी की संख्या 16 से बढ़कर 25, ठाकुर-ब्राह्मण कम हुए

यूपी भाजपा की नई टीम में पूजा पाल उपाध्यक्ष बनीं

ऐलान

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । विधानसभा चुनाव से पहले यूपी में गुरुवार को भाजपा की नई टीम का ऐलान कर दिया गया। 64 पदाधिकारियों की इस लिस्ट में 52 लोगों को प्रदेश कार्यकारिणी यानी प्रदेश टीम में जगह मिली है। इनमें 19 उपाध्यक्ष, 19 मंत्री, 8 महामंत्री और 6 मोर्चा अध्यक्ष हैं। इसके अलावा, 6 क्षेत्रीय उपाध्यक्ष, 3 कार्यालय मंत्री और 3 अन्य पदाधिकारी भी बनाए गए हैं।

सपा से बगावत करने वालीं विधायक पूजा पाल को उपाध्यक्ष बनाया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के छोटे बेटे नीरज सिंह की भी प्रदेश टीम में एंट्री हुई है। उन्हें उपाध्यक्ष बनाया है। इसके अलावा, प्रतापगढ़ के रोहित मिश्रा को युवा मोर्चा का अध्यक्ष बनाया गया है।

सपा से निष्कासित विधायक पूजा पाल को प्रदेश मंत्री बनाया गया है। पूजा पाल को मंत्रिमंडल विस्तार में मंत्री बनाए जाने की चर्चा थी, हालांकि तब जगह नहीं मिली थी।

यूपी भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी और महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह को मिलाकर अब 54 लोगों की टीम हो गई है। टीम में 13 महिलाएं हैं। पिछली बार की तुलना करें तो ओबीसी की संख्या 16 से बढ़कर 25 हो गई है। सामान्य वर्ग के 21 चेहरों को प्रदेश टीम में जगह मिली है। राजनाथ सिंह के बेटे पंकज सिंह की जगह उनके छोटे बेटे नीरज सिंह को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया है।

इन्हें मिला प्रमोशन

अभिजात मिश्रा को प्रदेश मंत्री से प्रमोट कर प्रदेश महामंत्री बनाया गया है। इन्हें भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन का करीबी माना जाता है। अर्चना मिश्रा को भी प्रदेश मंत्री से प्रमोट कर प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं, गीता शाक्य का भी प्रमोशन हुआ है। उन्हें महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष से पदोन्नत कर भाजपा का प्रदेश महामंत्री बनाया गया है। प्रदेश मंत्री शंकर लोधी को पदोन्नत कर प्रदेश महामंत्री बनाया गया है। काशी के क्षेत्रीय अध्यक्ष रहे दिलीप पटेल को भी प्रदेश महामंत्री बनाया गया है।

ठाकुरों की संख्या 7 से घटकर 6 और ब्राह्मणों की संख्या 8 से घटकर 7 हो गई है। इसके अलावा 4 भूमिहार, 3 वैश्य और 1 श्रीवास्तव को जगह मिली है। अनुसूचित जाति (एससी) की बात करें तो 7 लोगों को जगह दी गई है। वहीं, अनुसूचित जनजाति (एसटी) में सिर्फ इंजीनियर विद्याभूषण गोंड को जगह दी गई है।

सिर्फ 7 चेहरे रिपीट हुए, 15 नए लोग शामिल

52 सदस्यों की प्रदेश कार्यकारिणी में से सिर्फ 7 चेहरे रिपीट हुए हैं। पिछली कार्यकारिणी में 18 उपाध्यक्ष थे। इस बार 19 उपाध्यक्ष हैं। इनमें सत्यपाल सैनी, ब्रज बहादुर, मोहित बेनीवाल और धर्मेंद्र सिंह यानी 4 चेहरों को रिपीट किया गया है। बाकी 15 चेहरे नए शामिल किए गए हैं। भाजपा कार्यकारिणी में 8 महामंत्री हैं। इनमें सिर्फ संजय राय रिपीट हुए हैं। बाकी 7 नए चेहरे हैं। पिछली कार्यकारिणी में 16 प्रदेश मंत्री थे। इस बार इनकी संख्या बढ़कर 19 की गई है। इनमें सिर्फ 2 पुराने चेहरे विजय शिवहरे और शिवभूषण सिंह शामिल किए गए हैं। बाकी 17 नए चेहरे शामिल हुए हैं। मोर्चा अध्यक्ष में भी कोई रिपीट नहीं हुआ है।

सभी 6 क्षेत्रीय अध्यक्ष बदले

भाजपा ने सभी छह क्षेत्रीय अध्यक्ष बदल दिए हैं। पश्चिम में नवाब सिंह नागर, ब्रज में पूरनलाल लोधी, कानपुर में राम किशोर साहू, अवध में अवधेश कुमार द्विवेदी, काशी में अशोक चौरसिया और गोरखपुर में विनोद राय को क्षेत्रीय अध्यक्ष बनाया गया है।काशी के क्षेत्रीय अध्यक्ष रहे दिलीप पटेल को प्रमोट कर प्रदेश महामंत्री बनाया गया है। कानपुर के क्षेत्रीय अध्यक्ष रहे प्रकाश पाल को ओबीसी मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। ब्रज के क्षेत्रीय अध्यक्ष रहे ध्रुवविजय शाक्य को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया है। गोरखपुर के क्षेत्रीय अध्यक्ष रहे सहजानंद राय को प्रदेश मंत्री बनाया गया है।

शाह के पीए और पत्रकार यतेंद्र शर्मा मंत्री बनाए गए

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के करीबी मांट के विधायक राजेश चौधरी को प्रदेश महामंत्री बनाया गया है। गृहमंत्री अमित शाह के पीए अंकुर शर्मा को प्रदेश मंत्री बनाया गया है। पत्रकार यतेंद्र शर्मा को प्रदेश मंत्री बनाया गया है। पूर्व मंत्री सुरेश राणा को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया है। किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कामेश्वर सिंह को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया है।

फास्ट न्यूज

तेरहवीं के एक दिन बाद घर पहुंचा बेटा

गाजियाबाद। गाजियाबाद में अपनी तेरहवीं के अगले ही दिन गुरुवार सुबह 5 बजे एक युवक घर लौट आया। उसने घर का दरवाजा खटखटाया, तो बेटे को सामने देखकर मां ने उसे गले लगा लिया। फिर मां फूट-फूटकर रोने लगी। कहने लगी- बेटा, कहां थे? हम लोगों ने तो तुम्हारी तेरहवीं भी कर दी। घरवालों ने उससे करीब एक महीने तक लापता रहने के बारे में पूछा। लेकिन, लेकिन मानसिक रूप से अस्वस्थ होने की वजह से वह कुछ भी बता नहीं सका।

गोरखपुर में एके-47 गैंग पर कार्रवाई

गोरखपुर। गोरखपुर में सोशल मीडिया पर एके-47 ग्रुप बनाकर आक्रामक मैसेज और फोटो डालने वाले यूजर पर कैंपियरगंज पुलिस ने कार्रवाई की है। सोशल मीडिया की निगरानी कर रही पुलिस ने 2 दिन में 13 युवकों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। इनके खिलाफ लगातार शिकायत मिल रही थी। सोशल मीडिया पर लगातार 18 से 30 साल तक के युवा एके-47, महाकाल समेत कई नामों से ग्रुप बनाकर आक्रामकता प्रदर्शित कर रहे थे। इसकी शिकायत भी पहुंच रही थी। एसएसपी के निर्देश पर सोशल मीडिया की निगरानी के लिए पुलिस की स्पेशल टीम बनाई गई है।

एनएसटी इंस्टीयूट में 3 दिनों से लटका ताला

गोरखपुर। लखनऊ अग्निकांड के बाद गोरखपुर के कोचिंग सेंटर पर अधिकारियों की निगरानी और जांच शुरू हो गई। जिसके बाद से शहर के तमाम सेंटर को संचालकों ने धड़ल्ले बंद कर दिया। बुधवार को हरिओम नगर स्थित NST इंस्टीट्यूट भी बंद मिला।

पूछताछ में पता चला कि पिछले 3 दिनों से क्लासेज नहीं चल रहीं।

विभिन्न स्थानों पर खुलेआम संचालित है मीट की दुकान

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। रामनगर थाना क्षेत्र के बुढ़वल चौराहे से लेकर कस्बे के अंदर मंदिर मार्गों और बड़ी बाजार सहित विभिन्न स्थानों पर खुलेआम मीट की दुकानों के संचालन को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी है। कस्बावासियों ने प्रशासन से मानकों के विपरीत संचालित दुकानों को हटाकर निर्धारित स्थानों पर स्थानांतरित कराने की मांग की है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि थाने के सामने सब्जी बाजार जाने वाले मार्ग पर स्थित बुढ़िया मैया मंदिर और करीब आधा किलोमीटर दूरी पर स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर के बीच लगभग आधा दर्जन मीट की दुकानों पर खुलेआम मांस काटकर बेचा जा रहा है। इससे श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाएं आहत हो रही हैं और राहगीरों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।कस्बा-वासियों का कहना है कि शासन

के निर्देशानुसार मीट की दुकानों का संचालन निर्धारित स्थानों पर किया जाना चाहिए तथा दुकानों में रेफ्रिजरेटर, काले शीशे और पर्दे की व्यवस्था होनी चाहिए। साथ ही खुले में मांस और उसके अवशेष फेंकने पर भी रोक है, लेकिन क्षेत्र में इन मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है।लोगों का आरोप है कि मांस के अवशेष आसपास फेंके जाने से क्षेत्र में दुर्गंध फैली रहती है। कौवे और कुत्ते मांस के टुकड़े और हड्डियां इधर-उधर बिखेर देते हैं, जिससे मंदिर आने-जाने वाले श्रद्धालुओं, विशेषकर महिलाओं को काफी असुविधा होती है।

मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त 21.85 लाख रुपये मूल्य के खाद्य पदार्थों का कराया गया विनष्टीकरण

दूध एवं दुग्ध उत्पादों में मिलावट पर खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा जारी निर्देशों एवं निर्धारित निरीक्षण बिंदुओं के अनुपालन में दूध एवं दुग्ध उत्पादों यथा दूध, खोया, पनीर, दही, घी एवं स्किम्ड मिल्क पाउडर आदि की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रदेशव्यापी विशेष औचक निरीक्षण एवं प्रवर्तन अभियान संचालित किया गया।

अभियान के दौरान दूध एवं दुग्ध उत्पादों की निर्माण इकाइयों, बल्क मिल्क चिलिंग सेंटर, थोक विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों एवं गोदामों का व्यापक निरीक्षण किया गया। अधिकारियों द्वारा खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत स्वच्छता व्यवस्था, कच्चे

माल की गुणवत्ता, अभिलेखों का रख-रखाव, पैकेजिंग एवं लेबलिंग मानकों तथा संभावित मिलावट की जांच करते हुए प्रभावी प्रवर्तन कार्रवाई की गई।

विशेष अभियान के अंतर्गत प्रदेश में कुल 489 छापे मारे गए तथा 658 खाद्य नमूने संग्रहित कर जांच हेतु प्रयोगशाला भेजे गए हैं। कार्रवाई के दौरान कुल 1398.42 क्विंटल खाद्य पदार्थ जब्त किए गए, जिनका अनुमानित मूल्य लगभग 9.72 करोड़ रुपये है। वहीं अस्वास्थ्यकर परिस्थितियों में भंडारित एवं मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त पाए गए 122.888 क्विंटल खाद्य पदार्थों, जिनका अनुमानित मूल्य लगभग 21.85 लाख रुपये है, का विनष्टीकरण कराया गया।

गौतमबुद्धनगर में डेयरी प्रतिष्ठानों से नमूने लेने के साथ अस्वच्छ स्थिति में रखे 300 किलोग्राम पनीर, मूल्य लगभग 72 हजार रुपये, नष्ट कराया गया।गाजियाबाद में विभिन्न डेयरी प्रतिष्ठानों से नमूने संग्रहित कर लगभग 4050 किलोग्राम खाद्य पदार्थ, मूल्य लगभग 7.87 लाख रुपये, जब्त किया गया।

मथुरा में कल्लू डेयरी से पनीर एवं दूध के नमूने लेकर अस्वच्छ स्थिति में रखे 1200 किलोग्राम पनीर एवं 3000 लीटर दूध, मूल्य लगभग 5.46 लाख रुपये, नष्ट कराया गया। साथ ही डेयरी का लाइसेंस निलंबित कर निर्माण कार्य बंद कराया गया।मुजफ्फरनगर में घी, वनस्पति एवं मावा के नमूने लेते हुए निर्धारित मानकों के विपरीत पाए गए खाद्य पदार्थों पर कार्रवाई की गई।मेरठ में घी एवं बटर के नमूने संग्रहित कर लगभग 194 किलोग्राम खाद्य पदार्थ, मूल्य लगभग 1.50 लाख रुपये, जब्त किया गया। अमरोहा में उमंग डेयरी प्रा.लि. से स्किम्ड मिल्क पाउडर का नमूना लेते हुए मिथ्याछाप खाद्य पदार्थ 2850 किलोग्राम, मूल्य लगभग 9.33 लाख रुपये, जब्त किया गया।

प्रतिष्ठान से 13 नमूने भी संग्रहित किए गए

विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार कानपुर देहात में भोले बाबा मिल्क फूड्स इण्डस्ट्रीज से लेबलिंग एवं पैकेजिंग प्रावधानों के उल्लंघन पर 1,31,175 किलोग्राम घी, जिसकी अनुमानित कीमत 9.45 करोड़ रुपये है, सीज किया गया। प्रतिष्ठान से 13 नमूने भी संग्रहित किए गए।बागपत में मेरठ एवं गाजियाबाद से आने वाले वाहनों की जांच के दौरान अस्वच्छ स्थिति में पाए गए क्रीम एवं पनीर के नमूने संग्रहित कर 820 किलोग्राम खाद्य पदार्थ, मूल्य लगभग 1.79 लाख रुपये, नष्ट कराया गया।आगरा में कैंट रेलवे स्टेशन के निकट लावारिस अवस्था में मिले अस्वच्छ खोये को जब्त कर 4000 किलोग्राम खोया, मूल्य लगभग 9 लाख रुपये, का विनष्टीकरण कराया गया।फिरोजा-बाद में पनीर एवं घी निर्माण इकाइयों पर कार्रवाई करते हुए 510 किलोग्राम घी एवं 250 किलोग्राम पनीर, कुल मूल्य लगभग 6.15 लाख रुपये, जब्त किया गया।

योगी ने स्कूली बच्चों को खीर परोसी

अक्षय पात्र किचन का उद्घाटन किया, 11 ब्लॉकों के स्कूल में तैयार भोजन पहुंचेगा

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर । सीएम योगी 3 दिवसीय गोरखपुर दौरे पर गुरुवार शाम पहुंचे। चिलुआताल थाने के सामने बने अक्षय पात्र किचन का उद्घाटन किया। यहां परिषदीय स्कूल के बच्चों को अपने हाथों से योगी ने भोजन परोसा।

उन्होंने बच्चों को खीर परोसकर उनका हालचाल भी जाना। योगी ने किचन की व्यवस्था का जायजा लिया। ये किचन तीन एकड़ क्षेत्र में फैला है। इसमें पार्किंग भी है। यहां करीब 200 कर्मचारी काम करेंगे।

स्कूलों में छात्रों की उपस्थिति के अनुसार ताजा और गर्म भोजन तैयार कर समय पर पहुंचाया जाएगा। इस किचन में बना मिड डे मील शहर के 11 ब्लॉकों के स्कूल में भेजा जाएगा। अक्षय पात्र किचन की नई व्यवस्था लागू होने के बाद स्कूलों में कार्यरत रसोइयों को भोजन तैयार करने की जिम्मेदारी नहीं रहेगी।

एजेंसी की ओर से तैयार भोजन सीधे स्कूलों तक पहुंचाया जाएगा।

इससे भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और पोषण मानकों का बेहतर ढंग से पालन किया जा सकेगा। इससे स्कूलों में भोजन बनाने में लगने वाला समय बचेगा। बच्चों को निर्धारित समय पर भोजन मिल सकेगा। इस किचन में मशीनों से हर घंटे 40 हजार रोटियां बनाई जा सकेंगी, जबकि स्टीम तकनीक से मात्र 15 मिनट में 1200 किलो चावल पकाया जाएगा। तीन से चार घंटे के भीतर एक लाख बच्चों का भोजन तैयार हो जाएगा। यहां से स्कूलों तक भोजन पहुंचाने के लिए करीब 100 वाहनों की व्यवस्था की गई है।

लखनऊ, वाराणसी, मथुरा, आगरा और कानपुर के बाद अब गोरखपुर में अक्षय पात्र किचन शुरू हुआ। पहले चरण में 50 हजार और बाद में रोज 1 लाख बच्चों को मिड-डे मील दिया जाएगा।

मिड डे मील अब 11 ब्लॉकों के स्कूलों में पहुंचाया जाएगा

डीसी एमडीएम दीपक पटेल ने बताया- अभी 4 ब्लॉकों- नगर क्षेत्र, चरगांवा, भटहट और खोराबार के 307 स्कूलों के 35765 बच्चों को अक्षयपात्र की ओर से मिड डे मील दिया जा रहा था। इनमें परिषदीय, एडेड और इंटर कॉलेज शामिल हैं। अक्षयपात्र के किचन की क्षमता 1 लाख बच्चों को रोज मिड डे मील देने की है। अब इसमें 7 नए ब्लॉक शामिल किए जाएंगे। जो नए ब्लॉक जुड़ेंगे, उनमें- जंगल कौड़िया, भरोहिया, पिपराइच, पाली, सहजनवां, पिपरौली, कैम्पियरगंज हैं। ऐसे में अब कुल 11 ब्लॉकों में मिड डे मील पहुंचाया जाएगा।

लखनऊ, वाराणसी, मथुरा, आगरा, कानपुर में पहले से अक्षय पात्र किचन

योगी ने कहा- किचन में हाईजीन का ध्यान कैसे रखा जाना चाहिए और भोजन में स्वच्छता का क्या महत्व है, पौष्टिक आहार बच्चों को मिले और उससे बच्चों को कुपोषण से दूर रखा जा सके, इसके लिए अक्षयपात्रा की ओर से केंद्रीयकृत किन संचालित किया जाता है। लखनऊ, वाराणसी, मथुरा, आगरा, कानपुर जैसे जिलों में यह किचन पहले से काम कर रहा है। अब गोरखपुर में भी बनकर तैयार हो गया है।

'अखिलेश को मोहन यादव से प्यार तो यूपी बुला लें'

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज में कांग्रेस नेता और मध्य प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के बयान पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि अगर अखिलेश यादव को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से इतना प्यार है तो उन्हें उत्तर प्रदेश बुला लें।

उमंग सिंघार गुरुवार को पेपर लीक के मुद्दे पर कांग्रेस के देशव्यापी अभियान के तहत आयोजित प्रेस वार्ता में पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री मोहन यादव पर भ्रष्टाचार और जमीन से जुड़े मामलों में गंभीर आरोप लगाए। कहा कि देखते हैं पीएम मोदी कब कार्रवाई करते हैं।

सिंघार ने कहा कि कांग्रेस आगामी विधानसभा सत्र में इन आरोपों को तथ्यों और दस्तावेजों के साथ उठाएगी। वहीं, भाजपा और मुख्यमंत्री कार्यालय ने कांग्रेस के सभी आरोपों को निराधार बताते हुए उन्हें पूरी तरह खारिज कर दिया है।

प्रयागराज में उमंग सिंघार ने कहा- देखते हैं पीएम मोदी कब कार्रवाई करते हैं

उमंग सिंघार ने कहा कि सीएम मोहन यादव उज्जैन से आते हैं और वहां आम लोगों के लिए घर बनाना भी मुश्किल हो गया है। यदि किसी को मकान बनाना है तो उसे मुख्यमंत्री से जुड़े लोगों की खदानों से ही गिट्टी खरीदनी पड़ती है, जहां सामग्री महंगे दामों पर मिलती है। पिछले दो सालों में मुख्यमंत्री के परिवार की संपत्ति में तेजी से बढ़ोतरी हुई है।

रोक : एटीएफ महंगा होने से थमा परिचालन, किराया बढ़ने पर यात्रियों की संख्या भी घटी

वाराणसी एयरपोर्ट से स्पाइसजेट की सभी उड़ानें बंद

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । वाराणसी से स्पाइसजेट की सभी नियमित उड़ानें बंद हो गई हैं। परिचालन लागत और एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) की लगातार बढ़ रही कीमतों के बीच एयरलाइन ने अपना संचालन अनिश्चितकाल के लिए रोक दिया है। वाराणसी से अब तक 14-15 उड़ाने संचालित करने वाली एयर-लाइंस स्पाइसजेट की अंतिम 3 फ्लाइट बनारस से उड़ीं। गुरुवार शाम की फ्लाइट अंतिम फ्लाइट थी। कंपनी ने अपने सभी विमानों को दिल्ली और मुंबई हैंगर पर लगा दिया है। हालांकि कंपनी ने पहले ही घोषणा की थी कि लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से स्पाइसजेट अपनी अंतिम नियमित उड़ान 25 जून को संचालित करेगी। वहीं, दूसरी ओर महंगी यात्रा से

यात्रियों की संख्या पर भी असर पड़ा है। अब अन्य विमान कंपनियों के फैसले और सेवाओं पर भी निगाहें हैं।

वहीं, आकासा एयर अगले महीने से बेंगलुरु के लिए अपनी तीन उड़ानें बंद करने जा रही है। इसके अलावा एयर इंडिया ने भी अपनी कुछ निर्धारित उड़ानों का संचालन रद्द किया है। लगातार घटती उड़ानों से वाराणसी से हवाई यात्रा के विकल्प सीमित होते जा रहे हैं। स्पाइसजेट के पूरी तरह हटने और अन्य उड़ानों के बंद होने से वाराणसी से मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद और अन्य महानगरों की यात्रा करने वाले यात्रियों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

वाराणसी से 12 उड़ानें पहले ही हो चुकी हैं बंद

बढ़ती परिचालन लागत का असर केवल स्पाइसजेट तक सीमित नहीं है। इंडिगो, एयर इंडिया एक्सप्रेस, आकासा एयर और अन्य एयरलाइंस ने भी वाराणसी से कई उड़ानों का संचालन बंद कर दिया है। अब तक आने-जाने वाली करीब 12 उड़ानें प्रभावित हो चुकी हैं। इंडिगो ने हैदराबाद और बेंगलुरु के लिए एक-एक उड़ान बंद की है। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने मुंबई और बेंगलुरु रूट पर अपनी एक-एक उड़ान का संचालन रोक दिया है।

एसजी-506 अंतिम उड़ान रही

गुरुवार शाम स्पाइसजेट की मुंबई जाने वाली अंतिम उड़ान (SG-506) वाराणसी से रवाना हुई। इसके साथ ही शुक्रवार से एयरलाइन की वाराणसी से सभी नियमित उड़ान सेवाएं बंद हो गईं। इससे पहले स्पाइसजेट दिल्ली, मुंबई और पुणे समेत कई प्रमुख शहरों के लिए उड़ानें संचालित कर रही थी। फिलहाल वाराणसी एयरपोर्ट से इंडिगो, एयर इंडिया और आकासा एयर की उड़ानें मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु और हैदराबाद समेत अन्य शहरों के लिए संचालित हो रही हैं। हालांकि, पिछले दो महीनों में एटीएफ की कीमतों में हुई तेज बढ़ोतरी से एयरलाइंस की परिचालन लागत काफी बढ़ गई है, जिसका असर उड़ानों के संचालन पर पड़ रहा है।

किसान पथ के पास मिला युवक का शव, गमगीन माहौल में हुआ अंतिम संस्कार

बेटे की मौत से परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। मोहम्मद-पुर खाला थाना क्षेत्र के सूरतगंज कस्बे निवासी 25 वर्षीय युवक रचित वर्मा उर्फ शीलू का शव मिलने के बाद गुरुवार को गमगीन माहौल में उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया। युवक की असमय मौत से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। इस दुःख की घड़ी में बड़ी संख्या में ग्रामीण, रिश्तेदार और शुभचिंतक शामिल हुए। वहीं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल रहा। जानकारी के अनुसार, रचित वर्मा बीते दो दिनों से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता था। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। इसी बीच उसकी स्कूटी और मोबाइल फोन लखनऊ के किसान पथ किनारे लावारिस अवस्था में मिले, जिससे परिजनों की चिंता

और बढ़ गई थी।बताया जाता है कि पुलिस व एसडीआरएफ टीम किसी अन्य शव की तलाश में खोजबीन कर रही थी, इस दौरान इंदिरा बैराज के पास स्थित डैम्प के झाल में एक युवक का शव फंसा हुआ दिखाई दिया। पुलिस ने शव को बाहर निकलवाया तो उसकी जेब से आधार कार्ड, पैन कार्ड समेत अन्य दस्तावेज बरामद हुए। दस्तावेजों के आधार पर शव की पहचान सूरतगंज निवासी रचित वर्मा उर्फ शीलू के रूप में हुई। घटना की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। गुरुवार को पोस्टमार्टम के बाद जब शव गांव पहुंचा तो अंतिम संस्कार के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। हर आंख नम थी और पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल दिखाई दिया। इसके बाद युवक अंतिम संस्कार किया गया। रचित अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र था। उसकी मौत से परिवार गहरे सदमे में है। परिजनों ने घटना को संदिग्ध बताते हुए मामले की निष्पक्ष एवं गहन जांच की मांग की है। उनका कहना है कि मौत के पीछे की वास्तविक वजह सामने आनी चाहिए और घटना से जुड़े सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच की जानी चाहिए।

संचारी रोगों पर जुलाई भर चलेगा विशेष अभियान, एक जुलाई से शुरू होगी जिलेव्यापी मुहिम

बरसात से पहले अलर्ट मोड में प्रशासन

कार्ययोजना

■ हाई रिस्क क्षेत्रों पर विशेष नजर, फॉगिंग से लेकर एंटी लार्वा छिड़काव तक की बनी कार्ययोजना

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। बरसात के मौसम में डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया और अन्य संचारी रोगों की आशंका को देखते हुए जिला प्रशासन ने तैयारी तेज कर दी है। एक जुलाई से 31 जुलाई तक संचालित होने वाले विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान को लेकर बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी ईशा प्रिया की अध्यक्षता में पहली जनपद स्तरीय अंतर्विभागीय बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न

विभागों के अधिकारियों को समन्वित और समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए गए। बैठक में जिलाधिकारी ने चिन्हित हाई रिस्क ग्राम पंचायतों और शहरी वार्डों में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि फॉगिंग, एंटी लार्वा छिड़काव और स्वच्छता अभियान को प्राथमिकता के आधार पर संचालित किया जाए। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि कहीं भी मच्छरों के लार्वा पनपने की स्थिति न बने।

उन्होंने संबंधित प्रधानों और प्रशासकों को प्राथमिकता के आधार पर एंटी लार्वा दवाएं उपलब्ध कराने तथा वर्षा होने के तुरंत बाद छिड़काव कराने के निर्देश दिए।

> बैठक में बताया गया कि 27 जून तक ब्लॉक और जनपद स्तर पर माइक्रोप्लान को अंतिम रूप दिया जाएगा। वहीं 29 जून को दूसरी जनपद स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित कर तैयारियों का आकलन किया जाएगा। आठ जुलाई को दस्तक अभियान से संबंधित माइक्रोप्लान की समीक्षा होगी।

बैठक में मच्छर रोधी पौधों के रोपण को भी अभियान का हिस्सा बनाने पर जोर दिया गया। जिलाधिकारी ने तुलसी, नीम, लेमनग्रास, सिट्रोनेला, गेंदा, पुदीना, लैवेंडर और रोजमेरी जैसे पौधे लगाने के लिए लोगों को प्रेरित करने के निर्देश दिए।

स्कूलों से लेकर मोहल्लों तक चलेगा जागरूकता अभियान

जिलाधिकारी ने सभी विद्यालयों में वाटर टैंक की नियमित सफाई सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। साथ ही अधोमानक खाद्य पदार्थों की बिक्री पर प्रभावी रोक लगाने और लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि लोगों को घरों और आसपास साफ-सफाई रखने, जलभराव न होने देने, कूलर और पानी की टंकियों की नियमित सफाई करने तथा शुद्ध पेयजल का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जाए।

स्वास्थ्य विभाग की ओर से बताया गया कि दस्तक अभियान के तहत आशा, एएनएम और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया जाएगा। ये टीमें घर-घर जाकर सर्वेक्षण करेंगी, संभावित रोगियों की पहचान करेंगी और लोगों को संचारी रोगों से बचाव के उपायों की जानकारी देंगी।

पेयजल संकट : गर्मी में राहत देने वाला फ्रीजर बना शोपीस

आखिर किसने उड़ाई नगर पालिका के वाटर कूलर की टोटी?

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। अकबरपुर के पुरानी तहसील तिराहा स्थित अयोध्या मार्ग पर नगर पालिका परिषद द्वारा राहगीरों की सुविधा के लिए लगाया गया वाटर फ्रीजर इन दिनों खुद मदद का इंतजार कर रहा है। फ्रीजर की टोटी गायब होने के कारण ठंडे पानी की व्यवस्था पूरी तरह ठप हो गई है, जिससे प्रतिदिन यहां से गुजरने वाले हजारों लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पुरानी तहसील तिराहा जिले के व्यस्ततम चौराहों में शामिल है। यहां दिनभर लोगों की आवाजाही बनी रहती है। ऐसे में फ्रीजर बंद होने से ठंडे पानी के लिए लोगों को इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि चिलचिलाती धूप और उमस के बीच यह समस्या

और गंभीर हो गई है। क्षेत्र में चर्चा है कि फ्रीजर चालू रहने से बोतलबंद पानी की बिक्री प्रभावित हो रही थी। इसी वजह से कुछ लोगों ने शरारतन टोटी निकाल दी। हालांकि इस दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन स्थानीय लोग मामले की जांच की मांग कर रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि टोटी गायब हुए कई दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक न तो फ्रीजर की मरम्मत कराई गई और न ही किसी जिम्मेदार अधिकारी ने मौके का निरीक्षण किया। इससे लोगों में नाराजगी है। क्षेत्रवासियों ने पुलिस प्रशासन से

टोटी गायब, पानी की सुविधा बंद

स्थानीय लोगों के अनुसार कुछ माह पूर्व नगर पालिका की ओर से लगाए गए इस फ्रीजर से राहगीरों, दुकानदारों और आम नागरिकों को गर्मी के मौसम में राहत मिल रही थी। लेकिन शरारती तत्वों द्वारा फ्रीजर की टोटी निकाल लिए जाने के बाद यह सुविधा बंद हो गई है।

मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी से फ्रीजर की तत्काल मरम्मत कर पेयजल व्यवस्था बहाल कराने की अपील की है।

फास्ट न्यूज

दिनदहाड़े जेसीबी लेकर पहुंचे लोग

अंबेडकरनगर। अकबरपुर क्षेत्र में भूमि विवाद का एक मामला सामने आया है। शहजादपुर-पहितीपुर रोड स्थित गाटा संख्या 291 पर जबरन कब्जे के प्रयास का आरोप लगाते हुए पीड़ित ने प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग की है। मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है। पीड़ित जयराम संघवानी का आरोप है कि शुभम अग्रहरि, मनोज अग्रहरि समेत 10 से 20 लोग जेसीबी मशीन के साथ मौके पर पहुंचे ।

कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर से मिले भारतीय जन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष

अम्बेडकरनगर। भारतीय जन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रियांशु उर्फ बंटी सिंह ने गुरुवार को जनपद स्थित सर्किट हाउस में उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री एवं सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष से शिष्टाचार भेंट की। मुलाकात के दौरान सामाजिक, जनहित एवं संगठनात्मक विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक में संगठन की गतिविधियों, युवाओं की सामाजिक भागीदारी, जनजागरूकता अभियानों तथा क्षेत्रीय विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया।

शहर की सीमा में आए, योजनाओं की सीमा से बाहर हो गए किसान

अकबरपुर । प्रशासनिक सीमाओं के विस्तार ने नगर पालिका परिषद अकबरपुर के कुछ किसानों के सामने नई समस्या खड़ी कर दी है। नगर क्षेत्र में शामिल होने के बाद भी खेती-किसानी पर निर्भर किसान अब कृषि विभाग की निःशुल्क बोरिंग योजना का लाभ नहीं ले पा रहे हैं। इसे लेकर वार्ड संख्या 12 (अमरौला) के सम्मोपुर मोहल्ला एवं पूर्व राजस्व ग्राम सिझौली के किसानों की ओर से जिलाधिकारी को मांग पत्र सौंपा गया है।

किसान की बेटी ने रचा सफलता का नया अध्याय

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जनपद के ग्राम काछा सारी पट्टी (पोस्ट-चाचिकपुर) की होनहार बेटी दीपशिखा वर्मा ने उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (UPSSSC) द्वारा आयोजित कृषि तकनीकी सहायक परीक्षा में सफलता प्राप्त कर परिवार एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

दीपशिखा, श्री दिनेश कुमार वर्मा एवं श्रीमती शिवकुमारी वर्मा की पुत्री हैं। उन्होंने आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कुमारगंज, अयोध्या से कृषि अर्थशास्त्र (Agricultural Economics) विषय में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। उच्च शिक्षा के साथ-साथ उन्होंने प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी जारी रखी और अपनी मेहनत, लगन तथा दृढ़ संकल्प के बल पर यह महत्वपूर्ण सफलता हासिल की।

अपनी सफलता पर खुशी व्यक्त

■ दीपशिखा की मेहनत लाई रंग, कृषि तकनीकी सहायक परीक्षा में हासिल की सफलता

करते हुए दीपशिखा वर्मा ने इसका श्रेय अपने माता-पिता, गुरुजनों और परिवार के सदस्यों को दिया। उन्होंने कहा कि माता-पिता के मार्गदर्शन, आशीर्वाद और गुरुजनों के सतत सहयोग एवं प्रेरणा के बिना यह उपलब्धि संभव नहीं थी। उन्होंने युवाओं को संदेश दिया कि लक्ष्य के प्रति समर्पण, नियमित अध्ययन और सकारात्मक सोच सफलता की कुंजी है।

छुट्टियों के बाद फिर गुलजार हुए परिषदीय विद्यालय

बच्चों के साथ बैठकर जिलाधिकारी और एसपी ने किया भोजन

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। गर्मी की लंबी छुट्टियों के बाद बृहस्पतिवार को जिले के परिषदीय और कस्तूरबा गांधी विद्यालयों में एक बार फिर बच्चों की चहल-पहल लौट आई। बंद पड़े कक्षाओं में रौनक दिखाई दी तो स्कूल परिसरों में बच्चों की खिलखिलाहट गूंज उठी। नए उत्साह और उमंग के साथ शुरू हुए शैक्षणिक सत्र के पहले दिन जिला प्रशासन भी विद्यालयों तक पहुंचा।

जिलाधिकारी ईशा प्रिया और पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने शिक्षा क्षेत्र अकबरपुर के प्राथमिक विद्यालय बर्धा भिउरा पहुंचकर बच्चों का रोली-टीका लगाकर स्वागत किया। विद्यालय पहुंचते ही दोनों अधिकारियों ने बच्चों से आत्मीय

संवाद किया और उनके बीच बैठकर पढ़ाई, खेलकूद तथा भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की। विद्यालय में अधिकारियों की मौजूदगी से बच्चे उत्साहित नजर आए। कई बच्चों ने उनसे बातचीत की और अपनी पढ़ाई से जुड़ी बातें साझा कीं। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने बच्चों के साथ बैठकर निर्धारित मेनू के अनुसार तैयार रोटी और दाल का भोजन ग्रहण किया। इस दौरान उन्होंने मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता, साफ-सफाई और भोजन वितरण व्यवस्था का जायजा लिया।

अधिकारियों ने रसोईघर का निरीक्षण कर खाद्यान्न भंडारण, भोजन निर्माण प्रक्रिया तथा स्वच्छता संबंधी व्यवस्थाओं की भी जानकारी ली। भ्रमण के दौरान विद्यालय परिसर, शौचालयों, पेयजल व्यवस्था और साफ-सफाई का निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी ने शिक्षकों को निर्देश दिए कि विद्यालयों में स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित की जाए ताकि बच्चों को बेहतर शैक्षणिक माहौल मिल सके।

संचारी रोगों के खिलाफ जुलाई भर चलेगा विशेष अभियान

मानसून से पहले अलर्ट पर नगर पालिका

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। मानसून के दौरान फैलने वाले डेंगू, मलेरिया, डायरिया और अन्य संचारी रोगों की रोकथाम को लेकर नगर पालिका परिषद अकबरपुर ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में बृहस्पतिवार को नगर पालिका परिषद के सभागार में आगामी विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान के सफल संचालन के लिए संवेदीकरण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और स्वच्छता कर्मियों को अभियान की रूपरेखा से अवगत कराते हुए समन्वित प्रयासों पर बल दिया गया।

नगर पालिका परिषद अकबरपुर क्षेत्र में 1 जुलाई से 31 जुलाई तक विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान चलाया जाएगा। अभियान के तहत नगर के सभी वार्डों में साफ-सफाई, जलभराव की रोकथाम, फॉगिंग,

■ अकबरपुर में सभासदों और स्वच्छता नायकों को दिया गया जिम्मेदारी का संदेश, फॉगिंग और एंटी-लार्वा छिड़काव पर रहेगा विशेष जोर

एंटी-लार्वा छिड़काव और जनजागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे। बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिशासी अधिकारी राजमणि ने कहा कि बरसात के मौसम में संचारी रोगों का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में नगर को रोगमुक्त बनाए रखने के लिए सभी संबंधित कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। अधिशासी अधिकारी ने कहा कि नगर के प्रत्येक वार्ड में नियमित सफाई, नालियों की निगरानी और जलभराव की समस्या को प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाए।

अंबेडकरनगर के अवधेश द्विवेदी बने अवध क्षेत्र अध्यक्ष

संगठन में हुआ बड़ा फेरबदल

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश ने संगठनात्मक विस्तार के तहत गुरुवार को अपनी 64 सदस्यीय नई टीम की घोषणा की। इस सूची में अंबेडकरनगर जिले के वरिष्ठ भाजपा नेता अवधेश द्विवेदी को अवध क्षेत्र का क्षेत्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी इस नियुक्ति को संगठन में लंबे समय से चली आ रही सक्रियता और जमीनी कार्य का परिणाम माना जा रहा है। अवधेश द्विवेदी को पार्टी ने वर्ष 2017 में कटेहरी विधानसभा सीट से प्रत्याशी बनाया था। हालांकि उस चुनाव में उन्हें बहुजन समाज पार्टी के लालजी वर्मा से पराजय का सामना करना पड़ा। बसपा प्रत्याशी ने यह चुनाव 6,287 मतों के अंतर से जीता था। इसके बाद वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में भी वे

कटेहरी सीट से भाजपा गठबंधन (निषाद पार्टी) के प्रत्याशी के रूप में मैदान में उतरे, लेकिन इस बार भी उन्हें लगभग छह हजार मतों के अंतर से हार का सामना करना पड़ा।

लगातार चुनावी पराजय के बावजूद अवधेश द्विवेदी ने संगठन से दूरी नहीं बनाई और भाजपा की नीतियों, उपलब्धियों और कार्यक्रमों को जनता तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाई। बूथ स्तर से लेकर क्षेत्रीय स्तर तक संगठन को मजबूत करने में उनकी भागीदारी लगातार बनी रही। पार्टी की नई जिम्मेदारी को लेकर कार्यकर्ताओं का मानना है कि अवधेश द्विवेदी को यह दायित्व उनकी दीर्घकालिक निष्ठा, संगठन के प्रति समर्पण और निरंतर सक्रियता का परिणाम है। उनकी नियुक्ति को अवध क्षेत्र में भाजपा संगठन को और मजबूती देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

भीटी तहसील के दुबाने के पुरवा से संगठन की शीर्ष जिम्मेदारी तक

अवधेश द्विवेदी जनपद के भीटी तहसील अंतर्गत दुबाने के पुरवा गांव के निवासी हैं। वे पिछले तीन दशकों से भारतीय जनता पार्टी से जुड़े हुए हैं और संगठन के विभिन्न स्तरों पर सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच उनकी पहचान एक समर्पित और लगातार सक्रिय रहने वाले नेता के रूप में रही है।

> जानकारी के अनुसार अवधेश द्विवेदी वर्ष 1991 में भाजपा से जुड़े थे। उस समय वे तत्कालीन विधायक एवं मंत्री अनिल तिवारी के साथ संगठन से सक्रिय रूप से जुड़े। इसके बाद से उन्होंने पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने में लगातार भूमिका निभाई।

अहिंसा ही विश्व शांति का आधार, बोधि पथ कार्यशाला में गूंजे बुद्ध के विचार

युद्ध, हिंसा और सामाजिक विभेद के दौर में बौद्ध दर्शन को बताया समाधान का मार्ग

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। अंतरराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान, लखनऊ के तत्वावधान में बी.एन.के.बी.पी.जी. कॉलेज, अकबरपुर में आयोजित ग्रीष्मकालीन कार्यशाला 'बोधि-पथ' के तृतीय दिवस बौद्ध दर्शन, अहिंसा और लोकतांत्रिक मूल्यों पर गहन विमर्श हुआ। वक्ताओं ने कहा कि भगवान बुद्ध के विचार आज भी विश्व समुदाय के सामने खड़ी अनेक चुनौतियों के समाधान का मार्ग दिखाते हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं विषय विशेषज्ञ लेफ्टिनेंट (डॉ.) विवेक कुमार तिवारी, विशिष्ट अतिथि डॉ. भानु प्रताप राय, डॉ. बृजेश कुमार रजक तथा कार्यशाला सह-संयोजक अमित द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। 'बौद्ध धर्मः अहिंसा और विश्व समुदाय' विषय पर व्याख्यान देते

हुए लेफ्टिनेंट (डॉ.) विवेक कुमार तिवारी ने कहा कि बौद्ध धर्म विश्व की प्राचीन आध्यात्मिक परंपराओं में प्रमुख स्थान रखता है। इसकी आधारशिला अहिंसा, करुणा और ज्ञान पर टिकी है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में युद्ध, हिंसा, पर्यावरणीय संकट और सामाजिक असमानता जैसी चुनौतियों से जूझ रही दुनिया के लिए बौद्ध दर्शन एक प्रभावी मार्गदर्शक सिद्ध हो सकता है। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध का अहिंसा का संदेश केवल धार्मिक विचार नहीं, बल्कि मानवता को जोड़ने वाला वैश्विक सिद्धांत है, जो विश्व शांति और मानव एकता को मजबूत आधार प्रदान करता है। विशिष्ट अतिथि डॉ. भानु प्रताप राय ने बौद्ध धर्म और लोकतंत्र के संबंधों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बुद्ध द्वारा स्थापित संघ व्यवस्था लोकतांत्रिक मूल्यों का सशक्त उदाहरण है। संघ में सभी भिक्षुओं को समान अधिकार प्राप्त थे और निर्णय सामूहिक चर्चा व आम सहमति से लिए जाते थे। उन्होंने कहा कि बौद्ध दर्शन समानता, न्याय, स्वतंत्रता और बंधुत्व जैसे सिद्धांतों को बढ़ावा देता है, जो आधुनिक लोकतांत्रिक व्यवस्था की मूल आत्मा हैं। आज भी बुद्ध के विचार सामाजिक न्याय और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

दानपेटी पर थी चोरों की नजर, नागरिकों की सतर्कता से नाकाम हुई साजिश

मठिया मंदिर में चोरी का प्रयास, संदिग्धों को दबोचा

तमसा संकेत, संवाददाता

जलालपुर (अंबेडकरनगर)। श्री शीतला माता मठिया मंदिर में दानपेटी तोड़कर नकदी उड़ाने की कोशिश उस समय नाकाम हो गई, जब स्थानीय नागरिकों की सतर्कता और पुलिस की त्वरित कार्रवाई ने चोरों के मंसूबों पर पानी फेर दिया। देर रात हुई इस घटना के बाद क्षेत्र में चर्चा का माहौल रहा।

जानकारी के अनुसार दो युवक मंदिर परिसर में घुस गए और दानपेटी को तोड़कर उसमें रखी नकदी निकालने का प्रयास करने लगे। इसी दौरान दानपेटी के पास हुई खटपट और संदिग्ध गतिविधियों ने आसपास के लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया।

मंदिर के पुजारी अशोक कुमार पांडेय एवं सोनू गुप्ता ने घटना की जानकारी नीरज जलालपुरी को दी। सूचना मिलते ही पूर्व नगर अध्यक्ष देवेश मिश्र, सोनू गुप्ता, आदित्य

गोयल समेत कई लोग मौके पर पहुंच गए और मंदिर परिसर को घेरने का प्रयास किया। स्थानीय लोगों को देखते ही दोनों युवक मौके से भाग निकले, लेकिन क्षेत्र के ही निवासी होने के कारण कई लोगों ने उन्हें पहचान लिया। इसके बाद तत्काल पुलिस को नाम और पहचान संबंधी जानकारी उपलब्ध कराई गई। घटना की जानकारी मिलते ही जलालपुर कोतवाली पुलिस सक्रिय हो गई। पुलिस टीम ने संदिग्ध युवकों के घरों पर दबिश दी और उन्हें हिरासत में ले लिया। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई की स्थानीय लोगों ने सराहना की।

जांच : स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रित कोटे का लाभ लेने का आरोप

नीट काउंसलिंग में फर्जी प्रमाण पत्र का खेल

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। राजकीय मेडिकल कॉलेज सद्दरपुर में प्रवेश पाने के लिए कथित रूप से फर्जी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रित प्रमाण पत्र लगाने का मामला सामने आया है। नीट-यूजी 2025 की काउंसलिंग प्रक्रिया के दौरान दस्तावेजों के सत्यापन में प्रमाण पत्र संदिग्ध पाए जाने पर जांच कराई गई, जिसमें दस्तावेज कूटरचित होने की पुष्टि हुई। इसके बाद आरोपी अभ्यर्थी के खिलाफ अलीगंज थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है।

पुलिस के अनुसार आरोपी युवती हर्षिता रंजन, निवासी जवाहर नगर, बलिया ने नीट-यूजी 2025 की प्रथम चरण की काउंसलिंग में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रित श्रेणी के तहत आरक्षण का लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से प्रमाण पत्र प्रस्तुत

> बलिया सदर तहसील में तैनात तहसीलदार अतुल हर्ष श्रीवास्तव की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर अलीगंज थाने में मुकदमा दर्ज किया गया। प्रशासन का आरोप है कि फर्जी दस्तावेज के माध्यम से आरक्षण का अनुचित लाभ लेने का प्रयास किया गया।

किया था। दस्तावेजों की जांच के दौरान इसकी सत्यता पर संदेह उत्पन्न हुआ, जिसके बाद मामला बलिया जिला प्रशासन को भेजा गया।

चार सदस्यीय जांच समिति ने खोला राज

प्रमाण पत्र की जांच के लिए बलिया में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) की अध्यक्षता में चार सदस्यीय समिति गठित की गई। समिति ने अभिलेखों और संबंधित दस्तावेजों की जांच के बाद अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें प्रमाण पत्र को फर्जी और कूटरचित बताया गया। जांच में यह भी सामने आया कि प्रमाण पत्र पर अंकित जिलाधिकारी के हस्ताक्षर और कार्यालय की मुहर वास्तविक नहीं थीं। साथ ही जिलाधिकारी कार्यालय से इस प्रकार का कोई प्रमाण पत्र जारी किए जाने का रिकॉर्ड भी नहीं मिला।

अलीगंज थानाध्यक्ष सुनील पांडे ने बताया कि मामले की विवेचना उपनिरीक्षक धीरेंद्र कुमार आजाद को सौंपी गई है। प्रकरण से जुड़े अभिलेखों और अन्य साक्ष्यों की गहन जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। इस मामले ने एक बार फिर उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रवेश प्रक्रिया के दौरान दस्तावेज सत्यापन की अहम भूमिका को उजागर किया है। समय रहते जांच में कथित फर्जीवाड़े का खुलासा होने से आरक्षण व्यवस्था के दुरुपयोग की कोशिश पर रोक लग सकी।

एएसपी हरेन्द्र कुमार बने आईपीएस पुलिस महकमे में खुशी की लहर

यूपीएससी की पदोन्नति सूची में मिला स्थान

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जनपद में अपर पुलिस अधीक्षक (पश्चिम) के पद पर तैनात वरिष्ठ पुलिस अधिकारी हरेन्द्र कुमार को भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) में पदोन्नत किया गया है। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा जारी पदोन्नति सूची में उनका चयन होने के बाद पुलिस महकमे में उत्साह का माहौल है। हरेन्द्र कुमार उत्तर प्रदेश पुलिस सेवा के अनुभवी अधिकारियों में गिने जाते हैं। अपने सेवाकाल के दौरान उन्होंने कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अपराध नियंत्रण तथा पुलिस और जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनकी पदोन्नति को उनकी प्रशासनिक दक्षता, कार्य के प्रति समर्पण और लंबे अनुभव का परिणाम माना जा रहा है।

पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने हरेन्द्र कुमार को आईपीएस में

पदोन्नति मिलने पर बधाई देते हुए कहा कि यह उनके परिश्रम, अनुशासन और उत्कृष्ट कार्यशैली की पहचान है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नई जिम्मेदारी में भी वह अपनी कार्यकुशलता और जनसेवा की भावना से विभाग को नई उपलब्धियां दिलाएंगे।

पदोन्नति की सूचना मिलते ही जनपद पुलिस के अधिकारियों और कर्मचारियों ने हरेन्द्र कुमार को शुभकामनाएं दीं। सहकर्मियों ने कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया और विभाग की सकारात्मक छवि को मजबूत करने में योगदान दिया।

सम्पादकीय

चढ़ावा चोरी की जांच

अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल यानी एसआइटी ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट शासन को सौंप दी। हालांकि हिंदू समाज को चिंतित करने वाले इस मामले की जांच अभी जारी है और एसआइटी की अंतिम रिपोर्ट भी आनी शेष है, लेकिन उसकी प्रतीक्षा किए बिना अंतरिम रिपोर्ट के आधार पर कुछ न कुछ ऐसी कार्रवाई होनी चाहिए, जिससे लोगों को भरोसा हो कि दोषी बचेंगे नहीं और भविष्य में दान का हिसाब-किताब नीर-क्षीर एवं विश्वसनीय तरीके से होगा।

चढ़ावा चोरी प्रकरण केवल राम मंदिर ट्रस्ट की नाकामी को उजागर करने वाला ही नहीं, बल्कि हिंदू समाज की भावनाओं को आहत करने वाला भी है। यह मामला एक तरह से हिंदू आस्था के साथ छल है। इस छल के लिए जो भी जिम्मेदार हैं, उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई होते हुए दिखनी ही चाहिए। इसकी पहल राम मंदिर ट्रस्ट को अपने स्तर पर भी करनी चाहिए, क्योंकि उसकी लापरवाही के चलते लोगों के भरोसे को गहरी चोट पहुंची है।

अयोध्या में राम मंदिर के लिए दान मंदिर निर्माण के पहले से आ रहा है। कायदे से तो पहले ही ऐसी व्यवस्था बना ली जानी चाहिए थी, जिससे दान राशि के प्रबंधन में किसी तरह की गड़बड़ी की गुंजाइश न रहती। यह निराशाजनक है कि यह काम राम मंदिर निर्माण और प्रबंधन के लिए ट्रस्ट के गठन के बाद भी नहीं हो सका।

यह समझना कठिन है कि जब करीब छह वर्ष पहले दान राशि की गणना को लेकर एक आडिट फर्म ने सवाल उठाए थे, तो उसकी अनदेखी क्यों की गई? इस प्रश्न का उत्तर ट्रस्ट के पदाधिकारियों को देना चाहिए। आडिट फर्म ने दान पात्रों के हिसाब-किताब में खामियों को दूर करने के लिए एक निश्चित मानक संचालन प्रक्रिया बनाने को कहा था। हिंदू समाज को यह बताया जाना चाहिए कि ऐसा क्यों नहीं किया गया? एसआइटी ने भी जिस तरह दान राशि का साप्ताहिक आडिट कराने का सुझाव दिया, उससे यही पता चलता है कि यह एक ऐसा बुनियादी काम था, जो पहले दिन से किया जाना चाहिए था। ट्रस्ट की गलती केवल इतनी ही नहीं कि उसने दान राशि का प्रबंधन उचित तरीके से करने की ठोस व्यवस्था नहीं की। इसे भी उसकी गलती कहा जाएगा कि चढ़ावा चोरी प्रकरण पर उसने तत्काल प्रभाव से एफआइआर दर्ज कराने की जरूरत नहीं समझी। कम से कम अब तो यह काम किया ही जाना चाहिए। वैसे भी एसआइटी ने इसकी सिफारिश कर दी है। यह पहली बार नहीं, जब किसी मंदिर की दान राशि में गड़बड़ी का मामला सामने आया हो। ऐसा ही कुछ और मंदिरों के मामले में सामने आ चुका है। इन स्थितियों में सभी मंदिरों को दान राशि के प्रबंधन के लिए एक ऐसी प्रक्रिया अपनाने के लिए बाध्य किया जाना चाहिए, जिसमें किसी तरह की खामी और खराबी न हो।

शान्ति की प्राप्ति

हर आदमी के जीवन में कुछ न कुछ अपेक्षाएँ होती ही हैं। जीवन-यापन व व्यवहार निभाने के लिए कुछ आवश्यक होती हैं तो कुछ अनावश्यक पाल ली जाती हैं । कहते हैं शान्ति ह्रदय की स्वाभाविक स्थिति है । चार समाधियां बताईं गईं हैं- विनय समाधि, श्रुत समाधि, तप समाधि और आचार समाधि । ये चार चीजें ऐसी हैं , जिनके आसेवन से समाधि प्राप्त हो सकती हैं । चित्त में निर्मलता और शांति की संप्राप्ति हो सकती हैं, विकास हो सकता हैं । व्यक्ति अहंकार से बचें और विनय भाव रखें तो चित्त में शांति, समाधि और प्रफुल्लता रह सकती हैं । हम भौतिक प्रगति के साथ साथ भूलते जा रहें है कि भौतिकता में नहीं आध्यात्मिकता में सुख शांति और चैन हैं। आध्यात्मिकता के अभाव में अमीर-गरीब, राजा- रंक आदि सबका जीवन किसी न किसी समस्या के चलते बेचैन रहता है। शांति, अमन, चैन दूर की कौड़ी ही बनी रहती है । हम भूलते जा रहें हैं कि शांति की प्राप्ति के लिए हमारा नजरिया हमको बदलना होगा। वह समझना होगा, स्वीकारना होगा । भौतिकता नहीं आध्यात्मिकता ही हमारे स्थायी शांति का जरिया हो सकता है । वह जब तक हमारा नजरिया नहीं बदलेगा तब तक सांसारिक कष्टों को हम दुःख समझते रहेंगे और भौतिक सम्पन्नता, आदर, सम्मान आदि को सुख मानते रहेंगे । पर ये दोनों ही सुख दुःख की मात्र भ्रान्ति हैं । हम यह भूले बैठे रहेंगे कि हमारे अंतर में ही वास्तविक स्थायी शांति है । यह अंतर ज्ञान होते ही एक अद्भुत क्रान्ति घटित होने लगेगी। व्यक्ति के जीवन में , भाषा में , विचार में और शारीरिक मुद्रा आदि में घमंड नहीं आना चाहिए । घमंड का विचार करना , भाषा में अभिव्यक्त करना और शारीरिक मुद्रा में भी घमंड आना , अहंकार ही होता हैं । घमंड का संबंध भीतर के भावों से होता हैं । भीतर में जैसे भाव होते है तदनुसार अभिव्यक्ति होती हैं ।

› प्रदीप छाजेड़

नशे से बर्बाद होते जीवन को बचाना होगा

> बीते कुछ दशकों में वैश्विक मादक पदार्थ बाजार का स्वरूप तेजी से बदला है। परंपरागत नशीले पदार्थों-अफीम, हेरोइन, गांजा, चरस और कोकीन के साथ-साथ अब सिंथेटिक ड्रग्स, फेंटानिल, मेथामफेटामाइन और विभिन्न रासायनिक नशीले पदार्थों का प्रचलन तेजी से बढ़ा है।

नशीली दवाओं का बढ़ता प्रचलन आज विश्व मानवता के सामने एक ऐसे संकट के रूप में उभर रहा है, जो केवल स्वास्थ्य की समस्या नहीं है, बल्कि सामाजिक, आर्थिक, पारिवारिक और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा गंभीर वैश्विक प्रश्न बन चुका है। नशीली दवाओं का दुरुपयोग और अवैध तस्करी लाखों लोगों के जीवन को अंधकार में धकेल रही है। विशेष रूप से युवा पीढ़ी इसका सबसे बड़ा शिकार बन रही है। यही कारण है कि प्रतिवर्ष 26 जून को नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है, ताकि विश्व समुदाय इस चुनौती के प्रति जागरूक हो, सामूहिक प्रयासों को सशक्त बनाए और एक नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हो। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 7 दिसंबर 1987 को संकल्प संख्या 42/112 के माध्यम से इस दिवस को मनाने की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य मादक पदार्थों के दुरुपयोग से मुक्त अंतर्राष्ट्रीय समाज के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए वैश्विक सहयोग और कार्रवाई को मजबूत करना है। इस दिवस के माध्यम से यह संदेश दिया जाता है कि नशीली दवाओं की समस्या का समाधान केवल दंडात्मक उपायों से नहीं, बल्कि जनजागृति, सामाजिक-पारिवारिक रोकथाम, उपचार, पुनर्वास और सामाजिक सहयोग से संभव है। संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय (यूएनओडीसी) ने वर्ष 2026 के लिए इस दिवस की थीम निर्धारित की है- ''विश्वव्यापी नशीली दवाओं की समस्याः स्थायी मुद्दे, नई चुनौतियां, अभिनव समाधान''। यह थीम इस तथ्य को रेखांकित करती है कि नशे की गिरफ्त में आए व्यक्ति को अपराधी नहीं, बल्कि सहायता और उपचार की आवश्यकता वाले व्यक्ति के रूप में देखा जाना चाहिए। समाज, परिवार, सरकार और स्वास्थ्य संस्थाओं के समन्वित प्रयास ही उसे पुनः सामान्य जीवन की ओर लौटा सकते हैं। विश्व मादक पदार्थ रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक स्तर पर नशीली दवाओं के उपयोग में निरंतर वृद्धि हो रही है। अनुमानतः विश्वभर में 30 करोड़ से अधिक लोग किसी न किसी प्रकार के मादक पदार्थों का सेवन कर रहे हैं। इनमें से करोड़ों लोग नशे की लत के कारण गंभीर शारीरिक एवं मानसिक रोगों से पीड़ित हैं, लेकिन उपचार सुविधाओं तक उनकी पहुंच अत्यंत सीमित है। मादक द्रव्यों के सेवन संबंधी विकारों से पीड़ित प्रत्येक आठ व्यक्तियों में से केवल एक को ही उपचार प्राप्त हो पाता है। यह स्थिति विश्व स्वास्थ्य व्यवस्था की गंभीर चुनौती को उजागर करती है।

कृत्रिम नशीले पदार्थों के उत्पादन में कम लागत, तस्करी में कम जोखिम और अत्यधिक मुनाफे ने अवैध मादक पदार्थ उद्योग को और अधिक संगठित तथा खतरनाक बना दिया है। आज मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह आधुनिक तकनीक, डार्क वेब, क्रिप्टोकरेंसी और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग कर नए उपभोक्ताओं, विशेषकर युवाओं और किशोरों, को अपना लक्ष्य बना रहे हैं। ऑनलाइन नेटवर्क और गुप्त डिजिटल लेन-देन ने नशीली दवाओं की उपलब्धता को पहले की अपेक्षा कहीं अधिक आसान बना दिया है। संगठित अपराध और मादक पदार्थों का यह गठजोड़ विश्व शांति और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन गया है।

नशीली दवाओं का दुरुपयोग मानव शरीर की लगभग प्रत्येक प्रणाली को प्रभावित करता है। हृदय, यकृत, फेफड़े, मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र पर इसका विनाशकारी प्रभाव पड़ता है। दीर्घकालिक सेवन व्यक्ति को अवसाद, मानसिक असंतुलन, आत्महत्या की प्रवृत्ति, स्मृति ह्रास और व्यक्तित्व विघटन की ओर ले जाता है। चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार अफीम, हेरोइन, स्मैक, कोकीन और सिंथेटिक ड्रग्स का निरंतर सेवन व्यक्ति को मानसिक रूप से अक्षम बना सकता है। नशे का दुष्प्रभाव केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता। इसके कारण परिवार टूटते हैं, घरेलू हिंसा बढ़ती है, बेरोजगारी और आर्थिक संकट गहराते हैं तथा अपराध और सामाजिक असुरक्षा को बढ़ावा मिलता है। अनेक शोधों में यह तथ्य सामने आया है कि चोरी, हिंसा, तस्करी, यौन अपराध और संगठित अपराधों का एक बड़ा हिस्सा मादक पदार्थों से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जुड़ा हुआ है। भारत भी इस वैश्विक संकट से अछूता नहीं है। भौगोलिक स्थिति, सीमावर्ती चुनौतियां, बढ़ती शहरीकरण प्रक्रिया और युवाओं में बदलती जीवनशैली के कारण देश में नशीली दवाओं का दुरुपयोग चिंताजनक स्तर तक पहुंच चुका है। विशेष रूप से पंजाब, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर, उत्तर-पूर्वी राज्यों तथा महानगरों में यह समस्या गंभीर रूप धारण कर चुकी है। भारत की पश्चिमी सीमा के निकट स्थित तथाकथित 'गोल्डन क्रिसेंट'-अफगानिस्तान, पाकिस्तान और ईरान विश्व के प्रमुख अफीम उत्पादक क्षेत्रों में शामिल है, जिसके कारण सीमावर्ती राज्यों में तस्करी की समस्या अधिक जटिल हो गई है। पंजाब लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी और नशे की समस्या से जूझ रहा है। सीमा पार से ड्रोन और अन्य माध्यमों से होने वाली तस्करी ने स्थिति को और चुनौतीपूर्ण बना दिया है। पाकिस्तान ने भारत में आतंकवाद की ही तरह नशे एवं ड्रग्स को व्यापक स्तर पर फैलाया है, जिसका उद्देश्य युवाओं को कमजोर और सामाजिक संरचना को क्षतिग्रस्त करना है। यह केवल कानून-व्यवस्था का नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का भी प्रश्न है। जिसके दुष्परिणाम विशेषतः पंजाब के साथ-साथ समूचे देश को भोगने को विवश होना पड़ रहा है। पंजाब नशे की अंधी गलियों में धंसता जा रहा है, सीमा पार से शुरू किए गए इस छद्म युद्ध की कीमत पंजाब की जनता को चुकानी पड रही है, देर आये दुरस्त आये की भांति लगातार चुनौती बने नशीली दवाओं एवं ड्रग्स के धंधे के खिलाफ आप सरकार ने एक महत्वाकांक्षी युद्ध एवं अभियान शुरू किया है। पंजाब देश में ड्रग्स में सर्वाधिक संलिप्त राज्यों में आता है। यह डाटा गतदिनों गृहमंत्री अमित शाह की उपस्थिति में 'मादक पदार्थों की तस्करी एवं राष्ट्रीय सुरक्षा' पर आयोजित क्षेत्रीय सम्मेलन में सामने आया। भारत सरकार ने नशे के विरुद्ध अनेक पहलें शुरू की हैं। 'नशा मुक्त भारत अभियान' देश के 272 से अधिक संवेदनशील जिलों में व्यापक जनजागरण, शिक्षा और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से संचालित किया जा रहा है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) द्वारा अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के सहयोग से तस्करी के नेटवर्क पर कार्रवाई की जा रही है। स्कूलों, कॉलेजों, पंचायतों और सामाजिक संगठनों की भागीदारी से भी नशे के विरुद्ध जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। फिर भी यह स्पष्ट है कि केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं हैं।

– ललित गर्ग

चिार करें तो हमारे ...

डॉ. नीरज भारद्वाज

पर्यावरण चिंतन 'एक पेड़ माँ के नाम'

साहित्यकार का दायित्वबोध बहुत व्यापक होता है। साहित्यकार अपनी कलम से अपने समय का वर्णन शब्दमाला के माध्यम से करता है। साहित्यकार का एक-एक शब्द वर्तमान पीढ़ी और आने वाली पीढियों के लिए आदर्श और मार्गदर्शक का काम करता है। साहित्यकार अपने समय की शिक्षा, समाज, पर्यावरण आदि सभी को समाहित करके लिखने का प्रयास करता है। वह अग्नि, भूमि, जल, नभ, वायु पांच तत्वों के शुद्धीकरण की बात सोचता है, उसका चिंतन-मनन करता है। अपने साहित्य में उसको स्थान देता है। पंच तत्व से बना यह मानव शरीर भी इन सभी तत्वों की शुद्धि के साथ ही शांत,पावन, पवित्र रह सकता है। इनमें से किसी की भी अशुद्धता बढ़ जाती है तो पूरा संतुलन बिगड़ जाता है।अथर्ववेद (भूमि सूक्त) में लिखा है कि माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः अर्थातयह भूमि मेरी माता है और मैं इस पृथ्वी का पुत्र हूँ। दूसरे शब्दों में कहें कि मनुष्य और प्रकृति के बीच के अटूट, भावनात्मक और जैविक रिश्ते है। जैसे एक बच्चा अपनी माँ से जुड़ा होता है, वैसे ही हर एक मनुष्य का कर्तव्य इस धरती के प्रति है। इसे किसी भी प्रकार के प्रदूषण से बचाए रखना हमारा कर्तव्य है।

हमारी ज्ञान परंपरा में हमारे संतो ने भगवान की कथाके माध्यम से हमें बताते हुए प्रकृति, पर्यावरण के बारे में पूरा ज्ञान दिया है। विचार करें तो हमारे देवी-देवता, साधु-संत, महात्मा-तपस्वी आदि सभी पर्वतों, पवित्र नदियों, पूज्य वृक्षों के नीचे बैठकर साधना करते रहे हैं। गीता के अध्याय दस के 26वें श्लोक में भगवान कहते हैं कि, अश्वत्थः सर्ववृक्षाणां देवर्षीणां च नारदः। अर्थातसमस्त वृक्षों में मैं पीपल का वृक्ष हूँ, देवर्षियों में नारद मुनि। विचार करें तो भगवान प्रकृति के कण-कण में व्याप्त हैं। हमारे ऋषियों-मुनियों ने आयुर्वेद में प्रकृति के हर एक वृक्ष की जड़ से लेकर पत्ते तक के हर एक अंग पर शोधपरक कार्य किया है। किस से कौन सी औषधियाँ बनती है, कहां-कहां काम आती है, बताया समझाया है। दूसरी ओर विचार करें तो हमारे देवी-देवताओं की पूजा के समय भी हमें अलग-अलग वृक्षों के पत्तों की जरूरत होती है। हमारी ज्ञान परंपरा, पूजा पद्धति, भक्ति साधना आदि में भी वृक्षों का बड़ा महत्व है। 'एक पेड़ माँ के नाम' पुस्तक के रचयिता डॉ. वेदप्रकाश वत्स जी वर्तमान साहित्य चिंतन का बड़ा नाम है। आपने इस पुस्तक में भारतीय ज्ञान परंपरा के स्रोतों से बात को शुरू किया है। वृक्षों का महत्व देवी-देवताओं, वेदों आदि से शुरू कर वर्तमान सामाजिक स्थिति तक अलग-अलग अध्यायों में बताने और समझने का प्रयास किया है। पुस्तक का सबसे बड़ा सफल पक्ष यह है कि डॉ. वेदप्रकाश जी भारतीय ज्ञान परंपरा से सीधे जुड़े हुए हैं। वर्तमान के संतों का आशीर्वाद आपको मिलता रहा है। बाबा केदारनाथ, श्री बदरी विशाल से लेकर कन्याकुमारी तक के तीर्थों के दर्शन किए हैं और ऐतिहासिक स्थलों को देखने-समझने का अवसर मिला है। आप ऋषिकेश, हरिद्वार, मथुरा, वृंदावन, प्रयागराज, चित्रकूट, गंगासागर आदि तीर्थों का भ्रमण कर पवित्र नदियों पर चिंतन करके लिखते रहते हैं।आपने इन नदियों के किनारे लगे वृक्षों को भी देखा-समझा है। समयानुसार समाचारपत्रों में आपने नदियों, वृक्षों आदि पर लेख भी लिखे हैं। पुस्तक के लेखकीय में लिखा है कि, किसी भी विषय पर लिखने के कुछ कारण अथवा निहितार्थ होते हैं। एक पेड़ माँ के नाम यह पुस्तक प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं स्वामी चिदानंद सरस्वती जी जैसे संतों के उस विचार, प्रयास एवं संकल्प से प्रेरित है जिसमें प्रकृति-पर्यावरण की चिंता है। उस चिंता से आगे बढ़ते हुए प्रकृति-पर्यावरण के संरक्षण-संवर्धन एवं प्रदूषण से मुक्ति हेतु धरातल पर निरंतर प्रयास हैं और इन प्रयासों की उत्तरोत्तर वृद्धि हेतु जन भागीदारी का आवाह्न है। आपने अपनी साहित्यिक लंबी यात्रा के साथ इस पुस्तक की यात्रा को लिखने का प्रयास किया है। यह पुस्तक शोधपरक है, इसका एक-एक शब्द व्यक्ति को सोचने-समझने को आतुर करता है। 'एक पेड़ मां के नाम' यह मंत्र देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने दिया। इसमें पांच शब्द हैं, यह पांच शब्द ही वास्तविक मंत्र हैं। पंच तत्व से शरीर बना है और पंचतत्व से ही प्रकृति है। इन पांच शब्दों को लेकर एक पुस्तक का निर्माण करना, उसके बारे में चिंतन-मनन करना, उसकी व्यापकता तथा समाज में उपयोगिता को समझना एक साहित्यकार का दायित्वबोध है। पुस्तक के पाँचवें अध्याय में मन की बात में पर्यावरण चिंतन को लिया गया है। आपने रेडियो पर प्रसारित यशस्वी प्रधानमंत्री जी की मन की बात के अलग-अलग प्रसारणों में प्रकृति चिंतन को बताने-समझाने का प्रयास किया है।पुस्तक में आपका साहित्य चिंतन एक-एक शब्द पर चला है। पंच तत्व की बात पहले अध्याय से लेकर पुस्तक के अंत तक बराबर चलती रही है।

भारत की ...

सचिन त्रिपाठी

नवाचार का नया औजार ड्रोन

साल 2020 के बाद भारत में जिस तकनीक ने सबसे तेजी से अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है उसमें ड्रोन प्रमुख है। कभी सेना और सुरक्षा एजेंसियों तक सीमित रहने वाली यह तकनीक आज खेतों, गांवों, शहरों, अस्पतालों, निर्माण स्थलों और सरकारी कार्यालयों तक पहुंच चुकी है। ड्रोन अब केवल उड़ने वाला कैमरा नहीं, बल्कि विकास, सुशासन, उत्पादकता और नवाचार का नया औजार बन चुका है। भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। ऐसे समय में ड्रोन तकनीक देश के विकास को नई गति देने वाली शक्ति के रूप में उभर रही है। यह तकनीक न केवल समय और लागत बचा रही है बल्कि उन क्षेत्रों तक पहुंच बना रही है जहां पारंपरिक व्यवस्थाएं अक्सर सीमित साबित होती थीं। भारत सरकार ने 2021 में ड्रोन नियमों को सरल बनाकर इस क्षेत्र के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोले। इसका असर यह हुआ कि देश में ड्रोन स्टार्टअप्स और निर्माण इकाइयों की संख्या तेजी से बढ़ी। वर्तमान में देश में 400 से अधिक ड्रोन स्टार्टअप सक्रिय हैं। उद्योग विशेषज्ञों का अनुमान है कि वर्ष 2030 तक भारत का ड्रोन उद्योग 30 हजार करोड़ रुपये से अधिक का बाजार बन सकता है। इसके साथ ही लगभग 5 लाख नए रोजगार सृजित होने की संभावना है। ड्रोन पायलट, डेटा एनालिस्ट, सर्वे विशेषज्ञ, GIS तकनीशियन और सॉफ्टवेयर इंजीनियर जैसे नए पेशे तेजी से उभर रहे हैं। दरअसल, ड्रोन केवल तकनीक नहीं है बल्कि यह एक संपूर्ण इकोसिस्टम है जो निर्माण, सॉफ्टवेयर, डेटा प्रोसेसिंग और सेवा क्षेत्र को एक साथ जोड़ता है।

भारत की लगभग 46 प्रतिशत कार्यशील आबादी कृषि पर निर्भर है। ऐसे में यदि किसी तकनीक का सबसे अधिक प्रभाव दिख रहा है तो वह कृषि क्षेत्र है। ड्रोन की मदद से खेतों में कीटनाशकों और उर्वरकों का छिड़काव तेजी से किया जा रहा है। कृषि मंत्रालय और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) के परीक्षण बताते हैं कि ड्रोन के माध्यम से छिड़काव करने पर 75 से 90 प्रतिशत तक समय की बचत होती है। पानी की खपत 30 से 40 प्रतिशत तक कम होती है जबकि रसायनों का उपयोग भी 20 से 30 प्रतिशत तक घट जाता है। एक सामान्य कृषि ड्रोन मात्र 15 से 20 मिनट में लगभग 10 एकड़ क्षेत्र में छिड़काव कर सकता है। यही काम पारंपरिक तरीके से करने में कई घंटे लगते हैं। इसके अलावा मल्टीस्पेक्ट्रल कैमरों से लैस ड्रोन किसानों को यह भी बताते हैं कि खेत के किस हिस्से में नमी कम है, कहां पौधे बीमार हैं और किस क्षेत्र में अतिरिक्त पोषण की जरूरत है। यानी खेती अब अनुभव आधारित नहीं बल्कि डेटा आधारित होती जा रही है।

ड्रोन तकनीक ने राजस्व और भूमि प्रबंधन व्यवस्था में भी बड़ा बदलाव किया है। केंद्र सरकार की स्वामित्व योजना के तहत देश के 3.18 लाख से अधिक गांवों का ड्रोन सर्वेक्षण पूरा किया जा चुका है। इसके आधार पर 2 करोड़ से अधिक संपत्ति कार्ड जारी किए गए हैं।

जरा हटके

प्रदेश के यशस्वी...

निधि वर्मा, सूचना अधिकारी

भेड़, बकरी एवं सूकर पालन को बढ़ावा देने के लिए सरकार दे रही 90 प्रतिशत तक अनुदान

प्रदेश में लघु पशुपालन क्षेत्र जैसे भेड़, बकरी एवं सूकर पालन को वैज्ञानिक, संगठित एवं लाभकारी व्यवसाय के रूप में विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए उत्तर प्रदेश में पहली बार आयोजित दो दिवसीय 'यू.पी. स्मॉल लाइवस्टॉक कॉन्क्लेव-2026' का आयोजन हुआ।

प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार पशुधन क्षेत्र के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है तथा गोवंश संरक्षण के साथ-साथ लघु पशुधन क्षेत्र के विकास को भी विशेष प्राथमिकता दे रही है। लघु पशुपालन को रोजगार, पोषण और ग्रामीण समृद्धि के सशक्त साधन के रूप में स्थापित करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। लघु पशुपालन क्षेत्र में निवेश करने के लिए वर्तमान में सुदृढ़ कानून व्यवस्था और उत्तम कनेक्टिविटी से पंूजी निवेश का सर्वाधिक अनुकूल अवसर और समय है। उत्तर प्रदेश मंे पहली बार दो दिवसीय 'यू.पी. स्मॉल लाइवस्टॉक कॉन्क्लेव-2026' का आयोजन हुआ, जिसमें लघु पशुधन क्षेत्र से जुड़े सभी हितधारकों को एक साझा मंच उपलब्ध कराया गया, जहां नवीन तकनीकों, वैज्ञानिक अनुसंधानों, मूल्य संवर्धन, प्रसंस्करण, विपणन, निवेश तथा उद्यमिता विकास से जुड़े विषयों पर व्यापक विचार-विमर्श किया गया। इससे प्रदेश में लघु पशुधन आधारित उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा तथा रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। यह कॉन्क्लेव प्रदेश में लघु पशुधन क्षेत्र के विकास को नई दिशा प्रदान करेगा तथा भेड़, बकरी एवं सूकर पालन को अधिक वैज्ञानिक, व्यावसायिक एवं लाभकारी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। देशभर से आए वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों, पशुपालकों और उद्यमियों द्वारा दिये गये सुझाव प्रदेश में लघु पशुधन विकास के नए आयाम स्थापित करेंगे। उत्तर प्रदेश जैव विविधता से समृद्ध देश का सर्वाधिक पशुधन संपन्न राज्य है। 20वीं पशुगणना के अनुसार प्रदेश में लगभग 144.80 लाख बकरियां, 9.85 लाख भेड़ें तथा 4.09 लाख सूकर हैं। ग्रामीण अर्थव्यवस्था, पोषण सुरक्षा तथा किसानों की अतिरिक्त आय सुनिश्चित करने में लघु पशुधन की महत्वपूर्ण भूमिका है।

प्रदेश के पशुधन विभाग द्वारा लघु पशुधन पशुपालकों के विकास हेतु बकरी पालन की योजना संचालित है, जिसकी प्रति इकाई लागत रू0 60,000 है, जो कि 90 प्रतिशत अनुदानित है। वर्ष 2025-26 में कुल 1786 इकाईयां स्थापित की गयी तथा वर्ष 2026-27 में बकरी पालन की योजनान्तर्गत 1896 इकाईयों का लक्ष्य प्रस्तावित है। इसी प्रकार भेड़ पालन की योजना वर्ष 2025-26 में 224 इकाईयां स्थापित की गई है। इसमें प्रति इकाई लागत 1,70,000 रूपये है जो कि 90 प्रतिशत अनुदानित है। वर्ष 2026-27 हेतु 225 भेड़ पालन इकाईयांे का लक्ष्य रखा गया है। प्रदेश में सूकर विकास हेतु सूकर पालन की योजना भी संचालित है, जिसमें वर्ष 2025-26 मंे 218 इकाईयांे स्थापित की गई हैं। इसमें से एक इकाई लागत 1,47,400 रूपये है, यह भी 90 प्रतिशत अनुदानित है। वर्ष 2026-27 हेतु 218 सूकर पालन इकाईयों का लक्ष्य रखा गया है।

प्रदेश में लघु पशुपालन ग्रामीण महिलाओं, छोटे एवं सीमांत किसानों तथा युवाओं के आर्थिक सशक्तीकरण का प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। भेड़, बकरी एवं सूकर पालन अपेक्षाकृत कम लागत में बेहतर आय प्रदान करने वाले व्यवसाय हैं, जिनके माध्यम से ग्रामीण परिवारों की आजीविका को मजबूती मिल रही है। प्रदेश सरकार लघु पशुधन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन, वित्तीय सहायता एवं विपणन सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दे रही है।

प्रदेश में पशुपालन एवं लघु पशुधन क्षेत्र के सतत विकास, किसानों की आय वृद्धि तथा ग्रामीण आजीविका सुदृढ़ीकरण के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश के पशुपालन विभाग एवं ग्लोबल फोरम फॉर सस्टेनेबल ट्रांसफॉर्मेशन (ळथ्ैज्) और पशुपालन विभाग एवं द गोट ट्रस्ट (ज्ीम ळवंज ज्तनेज) के साथ अलग-अलग समझौता ज्ञापनों (डवन्) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इन समझौतों के तहत विभाग को नीतिगत एवं तकनीकी सहयोग, क्षमता संवर्धन, प्रशिक्षण, नस्ल सुधार, पशु स्वास्थ्य प्रबंधन, नवाचार आधारित समाधान तथा बकरी पालन एवं पशुधन विकास से संबंधित कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन में सहयोग प्राप्त होगा।

'यू.पी. स्मॉल लाइवस्टॉक कॉन्क्लेव-2026' वैज्ञानिकों, उद्यमियों और पशुपालकों के बीच ज्ञान एवं अनुभवों के आदान-प्रदान का प्रभावी मंच सिद्ध हुआ है, इसमें प्रदेश में लघु पशुधन आधारित उद्यमिता को नई गति मिलेगी। प्रदेश में श्वेत क्रान्ति, ब्लू क्रान्ति और पिंक क्रान्ति के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिल रही है। लघु पशुधन आधारित उद्यम से पशुपालकों की आय में वृद्धि उत्पादकों की गुणवत्ता व विपणन को आधुनिक व सुगम बनाया जा रहा है, जो प्रदेश की आय में वृद्धि कर वन ट्रिलियन डॉलर के लक्ष्य को प्राप्त करने में अपना योगदान प्रदान करेंगे।

फायर सेफ्टी के मानक पूरे नहीं होने पर एक्शन, लखनऊ अग्निकांड में गई थी 15 जान

एलडीए ने भूमि आईएएस समेत कई कोचिंग सील की

कार्रवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ अग्निकांड में 15 लोगों की जान चली गई। इसके बाद से लखनऊ विकास प्राधिकरण (LDA) ने कोचिंग, लाइब्रेरी, शॉपिंग कॉम्प्लेक्सों की जांच शुरू कर दी। गुरुवार को LDA, फायर विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने कई इलाकों में मानकों के विपरीत चल रहे प्रतिष्ठानों की जांच कर रही है। मानक पूरे नहीं होने पर टीम ने गोमतीनगर की भूमि IAS कोचिंग, विद्या मंदिर कोचिंग और दृष्टिकोण लाइब्रेरी सील कर दी। LDA उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार के निर्देश पर शुरू हुआ यह अभियान लगातार 3 सप्ताह तक चलाया जाएगा। इसमें कोचिंग सेंटर, लाइब्रेरी, होटल, नर्सिंग होम, डांस स्टूडियो, प्ले ग्रुप स्कूल और व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स की जांच की जाएगी।

LDA अफसरों का कहना है कि जिन भवनों में अग्नि सुरक्षा, पार्किंग और मानचित्र संबंधी मानकों का उल्लंघन मिलेगा, उनके खिलाफ सीलिंग और नोटिस की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, 24 जून (बुधवार) को सुरक्षा मानकों को अनदेखी करके चल रहे 71 प्रतिष्ठानों को सील किया गया था।

इनमें एलन, ग्रेविटी, आकाश, गवर्नमेंट एग्जाम वाला और पैरामाउंट जैसे बड़े कोचिंग संस्थान शामिल रहे। एलडीए ने 83 भवन मालिकों को नोटिस भी जारी किया था।

अलीगंज में 22 जून को लगी थी आग

अलीगंज स्थित एक इमारत में 22 जून को आग लग गई थी। यहां बेसमेंट, ग्राउंड और पहले फ्लोर पर पेट शॉप और क्लीनिक थी। दूसरे फ्लोर पर लर्निंग स्पेस नाम की लाइब्रेरी (कोचिंग) और हेड हॉपर स्टूडियो था। इसमें 3D आर्ट प्रोडक्शन और गेम एसेट आउटसोर्सिंग का काम होता था। हॉपर स्टूडियो में काम करने वाले 15 लोगों की मौत हो गई थी।

पत्रकारपुरम में खुद से सामान हटा रहे हैं दुकानदार

LDA टीम शहरभर में कार्रवाई कर रही है। एक टीम पत्रकारपुरम में पहुंची है। टीम को देखकर तमाम दुकानदार खुद ही अपना सामान हटाने लगे हैं। रायबरेली से आए अभिषेक ने कहा कि अग्निकांड के दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। लखनऊ में हजारों जगह ऐसे हैं, जहां आवासीय मकानों में कॉमर्शियल गतिविधियां चल रही हैं।

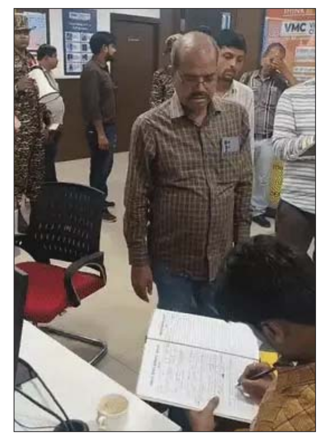

गोमती नगर के विराज खंड में विद्या मंदिर कोचिंग सील की गई।

'अफसर आंखों पर काली पट्टी बांधे हैं'

मुकेश ने कहा कि सिस्टम की लापरवाही से इतने लोगों की जान गई है। अफसर आंखें पर पट्टी बांधे हैं। ऐसे ही हमारे बच्चों की जान जाती रहेगी। गोमती नगर विनय खंड में आर्या इंस्टीट्यूट म्यूजिक कोचिंग सेंटर को सील किया गया। अधिकारियों का कहना है कि बिना फायर एग्जिट गेट के सेंटर चल रहा था।

नई बीजेपी टीम में लखनऊ के अभिजात मिश्र का प्रमोशन

नीरज सिंह बोले- अलीगंज में मासूमों की घटना दुःखद

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश की नई प्रदेश कार्यकारिणी घोषित होने के बाद पार्टी संगठन में उत्साह का माहौल है। लखनऊ से प्रदेश मंत्री अभिजात मिश्रा को प्रदेश महामंत्री बनाया गया है। नई कार्यकारिणी के बाद भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने नई टीम के सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए विश्वास जताया कि अनुभवी और समर्पित कार्यकर्ताओं की यह टीम संगठन को नई दिशा और गति प्रदान करेगी।

उन्होंने विशेष रूप से डॉ. नीरज सिंह को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए जाने को संगठन के समर्पित कार्यकर्ताओं के सम्मान के रूप में बताया।

नीरज सिंह ने बीजेपी प्रदेश की नई कार्यकारिणी आने के बाद सोशल मीडिया पर बीते 24 साल के संघर्ष को लेकर पोस्ट किया। उन्होंने

कहा साल 2002 में हैरदगढ़ विधानसभा के चुनाव से शुरु हुई राजनीतिक सफर के साथ प्रदेश उपाध्यक्ष बनने का समर्पण को लिखा। इसके बाद दूसरा पोस्ट लिखते हुए नीरज सिंह ने कहा लखनऊ अलीगंज के अग्निकांड में मासूम बच्चों के असामयिक निधन से मन अत्यंत व्यथित है। इसलिए कोई भी स्वागत या सम्मान समारोह न किया जाए। वहीं लखनऊ युवा मोर्च में कार्य करने वाले प्रदेश मंत्री रहे अभिजात मिश्रा को प्रदेश महामंत्री बनाया गया है। अभिजात मिश्रा आरएसएस के करीबी माने जाते है। लखनऊ के रहने वाले है।

फास्ट न्यूज

जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के लिए वैज्ञानिक रणनीति जरूरी

लखनऊ । केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान गुरुवार को लखनऊ पहुंचे। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही और ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों के साथ कृषि एवं ग्रामीण विकास से जुड़े मुद्दों पर व्यापक चर्चा की।

06 जुलाई 2026 को होगी राज्य परिवहन प्राधिकरण

लखनऊ। राज्य परिवहन प्राधिकरण, उत्तर प्रदेश की बैठक 06 जुलाई 2026 को पूर्वान्ह 11.00 बजे से कार्यालय परिवहन आयुक्त, उत्तर प्रदेश, टेहरी कोठी, महात्मा गांधी मार्ग, लखनऊ में सम्पन्न होगी। यह जानकारी देते हुए सचिव, राज्य परिवहन प्राधिकरण, उत्तर प्रदेश ने बताया कि उक्त बैठक में परमिटों के नवीनीकरण एवं हस्तान्तरण हेतु प्रस्तुत आवेदन पत्रों, नये परमिटों के आवेदन पत्रों, मोटर यान अधिनियम, 1988 की धारा-86 के अंतर्गत परमिटों को निरस्त/ निलम्बित करने की कार्यवाही एवं अन्य तात्कालिक प्रकरणों पर विचार किया जायेगा।

अज्ञात वाहन की टक्कर से सुपरवाइजर की मौत

लखनऊ । लखनऊ के सरोजनी नगर थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गई है। मुकेश प्राइवेट कंपनी में सुपरवाइजर के तौर पर काम करते थे।

मुकेश गौतम मूल रूप से सिद्धार्थनगर जिले के खजुरिया सरकी गांव के रहने वाले थे।

मोहर्रम की शबील में अलीगंज अग्निकांड के 15 मासूम बच्चों को दी गई श्रद्धांजलि

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मोहर्रम के पवित्र महीने में इमाम हुसैन (अ.स.) की शहादत और मैदान-ए-कर्बला की प्यास की याद में अमायरा फाउंडेशन द्वारा एक शबील का आयोजन किया गया। इस अवसर पर लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में हुए भीषण अग्निकांड में जान गंवाने वाले 15 मासूम बच्चों को विशेष श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों की तस्वीरें लगाकर मोमबत्तियां जलाई गईं। अमायरा फाउंडेशन के जनरल सेक्रेटरी रियाज़-उल-हक़ ने कहा कि मोहर्रम का महीना हमें अहले बैत के सब्र, कुर्बानी और इंसानियत के संदेश की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि अलीगंज अग्निकांड में शहीद हुए 15 मासूम बच्चों की याद में आज उन्हें श्रद्धांजलि दी गई और अल्लाह से दुआ है कि वह सभी बच्चों को जन्नतुल फिरदौस में आला मकाम अता फरमाए तथा उनके परिजनों को इस कठिन समय में सब्र

और हिम्मत प्रदान करे। रियाज़-उल-हक़ ने कहा कि देश के नागरिक होने के नाते वे सरकार से मांग करते हैं कि इस अग्निकांड के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही ऐसे संस्थानों और प्रतिष्ठानों पर भी कठोर कार्रवाई हो जो रिहायशी क्षेत्रों एवं मकानों में गैरकानूनी रूप से व्यावसायिक गतिविधियां संचालित कर रहे हैं, जिससे भविष्य में इस प्रकार की दुखद घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। अमायरा फाउंडेशन के उपाध्यक्ष अब्दुल वाज़े ने कहा कि अलीगंज अग्निकांड से हमारा पूरा लखनऊ एक बेहद गंभीर और भावुक दौर से गुजर रहा है।

गोल्डन ऑवर में विश्वस्तरीय आपातकालीन चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

यूपी में स्थापित होगा एकीकृत ट्रॉमा एवं इमरजेंसी नेटवर्क

- 310 चिकित्सा संस्थानों को जोड़कर तैयार होगा उत्तर प्रदेश ट्रॉमा एवं इमरजेंसी नेटवर्क
- मुख्य सचिव ने दी यूपीटीईएन स्थापना को सहमति, सक्षम स्तर से अनुमोदन के उपरांत होगी अग्रेतर कार्यवाही

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्य सचिव एस.पी. गोयल की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में उत्तर प्रदेश में ट्रॉमा एवं आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को सुदृढ़ एवं अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से राज्य स्तर पर एकीकृत

ट्रॉमा एवं इमरजेंसी नेटवर्क (UPTEN) की स्थापना के संबंध में एक विस्तृत प्रस्तुतीकरण किया गया।प्रस्तुतीकरण के उपरांत मुख्य सचिव ने एकीकृत ट्रॉमा एवं इमरजेंसी नेटवर्क की स्थापना के प्रस्ताव पर अपनी सहमति व्यक्त करते हुए आवश्यक अनुमोदन प्राप्त होने के पश्चात आगे की कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि UPTEN को एक एकीकृत, त्रिस्तरीय, बहु-चरणीय एवं केंद्रीकृत नेतृत्व आधारित नेटवर्क के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके अंतर्गत स्तर-1 में 11 शीर्ष एवं प्रमुख शिक्षण संस्थानों को शामिल किया जाएगा, जबकि स्तर-2 में 36 मेडिकल कॉलेजों को जोड़ा जाएगा।

मुख्य सचिव के समक्ष राज्य स्तर पर एकीकृत ट्रॉमा एवं इमरजेंसी नेटवर्क की स्थापना के संबंध में एक किया गया विस्तृत प्रस्तुतीकरण प्रदेश के हर नागरिक तक समयबद्ध आपातकालीन चिकित्सा पहुंचाने की तैयारी

वर्तमान में एक समन्वित एवं एकीकृत प्रणाली का अभाव

बैठक में अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, अमित कुमार घोष ने बताया कि प्रदेश सड़क दुर्घटनाओं, गंभीर जलन, हृदयाघात, स्ट्रोक, सेप्सिस, विषाक्तता तथा प्रसूति एवं बाल चिकित्सा संबंधी आपात स्थितियों के प्रभावी प्रबंधन के लिए वर्तमान में एक समन्वित एवं एकीकृत प्रणाली का अभाव है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए ट्रॉमा एवं आपातकालीन सेवाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु गठित टेक्निकल टास्क फोर्स कमेटी ने राज्यव्यापी एकीकृत ट्रॉमा एवं आपातकालीन प्रणाली की स्थापना की संस्तुति की है। समिति ने उत्तर प्रदेश ट्रॉमा एवं इमरजेंसी नेटवर्क (UPTEN) की स्थापना का सुझाव देते हुए कहा है कि यह पहल प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को आपात स्थिति में गोल्डन ऑवर के भीतर गुणवत्तापूर्ण एवं विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

प्रस्तावित व्यवस्था के अंतर्गत आपातकालीन उपचार के प्रथम 48 घंटों तक निःशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने तथा नेटवर्क को टेलीमेडिसिन एवं डिजिटल स्वास्थ्य प्रणालियों के साथ एकीकृत करने का भी प्रावधान किया गया है। इससे प्रदेश में आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता, पहुंच और दक्षता में उल्लेखनीय सुधार होने की अपेक्षा है।

कृषि उत्पादन आयुक्त ने उ0प्र0शिक्षक पात्रता परीक्षा 2026 की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की

अभ्यर्थियों की चेकिंग एवं फ्रिस्किंग पूरी गंभीरता के साथ हो : दीपक कुमार

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। कृषि उत्पादन आयुक्त श्री दीपक कुमार ने उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (UPTET) 2026 की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों एवं वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

कृषि उत्पादन आयुक्त ने निर्देश दिए कि उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा का आयोजन निर्धारित मानकों के अनुरूप सकुशल, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित ढंग से सुनिश्चित किया जाए। परीक्षा सामग्री की सुरक्षा से लेकर परीक्षा केंद्रों की निगरानी तक प्रत्येक स्तर पर विशेष सतर्कता बरती जाए।अभ्यर्थियों की चेकिंग एवं फ्रिस्किंग पूरी गंभीरता के साथ की

जाए। उन्होंने कहा कि गोपनीय परीक्षा सामग्री का भंडारण कोषागार के डबल-लॉक सिस्टम में किया जाए तथा प्रश्नपत्रों एवं अन्य गोपनीय सामग्री का परिवहन सेक्टर मजिस्ट्रेट की अभिरक्षा में सुनिश्चित किया जाए। परीक्षा केंद्रों पर स्थापित कंट्रोल रूम से सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से सतत निगरानी रखी जाए।

उन्होंने कहा कि यातायात प्रबंध, चिकित्सकीय प्रबंध, पेयजल की उपलब्धता एवं सुचारू विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था की जाए, साथ ही ग्रीष्म ऋतु एवं संभावित मानसून के दृष्टिगत आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं।

बैठक में अवगत कराया गया कि उच्च प्राथमिक स्तर की शिक्षक पात्रता परीक्षा 02 जुलाई, 2026को दो पालियों में एवं 03 जुलाई, 2026 को प्रथम पाली में आयोजित होगी। वहीं प्राथमिक स्तर की परीक्षा 03 जुलाई, 2026 को द्वितीय पाली एवं 04 जुलाई, 2026 को प्रथम पाली आयोजित होगी।

संपूर्ण प्रक्रिया निर्धारित मानकों के अनुरूप संपन्न कराई जाए

कृषि उत्पादन आयुक्त ने कहा कि प्रश्नपत्रों को खोलने, वितरण करने तथा परीक्षा समाप्ति के उपरांत पुनः सील करने की संपूर्ण प्रक्रिया निर्धारित मानकों के अनुरूप संपन्न कराई जाए। इसके लिए परीक्षा से संबंधित सभी कार्मिकों को पूर्व में ही संवेदनशील एवं प्रशिक्षित किया जाए, ताकि किसी भी प्रकार की त्रुटि की संभावना न रहे। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि संपूर्ण प्रक्रिया की अनिवार्य रूप से वीडियोग्राफी कराई जाए, जिससे किसी भी प्रकार की अनियमितता की संभावना समाप्त हो सके।

अन्तर्राष्ट्रीय मद्य निषेध दिवस पर जन जागरूकता हेतु आयोजित होंगे विविध कार्यक्रम

लखनऊ । अन्तर्राष्ट्रीय मद्य निषेध दिवस 26 जून, 2026 को उत्तर प्रदेश के मद्य निषेध विभाग द्वारा 'नशा मुक्त भारत अभियान' के तहत लखनऊ स्थित चौधरी चरण सिंह, सहकारिता भवन के सभागार में 'मादक पदार्थों का दुरुपयोग एवं अवैध व्यापार विरोधी अन्तर्राष्ट्रीय दिवस' के रूप में मनाया जायेगा एवं जन जागरूकता हेतु विविध कार्यक्रमों सहित सेमिनार व संगोष्ठी का भी आयोजन किया जायेगा।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के आबकारी एवं मद्य निषेध राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री नितिन अग्रवाल पूर्वाह्न 11ः00 बजे से कार्यक्रम में प्रतिभाग कर 19 जून, 2026 को आयोजित प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र प्रदान करेंगे। साथ ही विभाग की प्रदर्शनी का उद्घाटन एवं स्मारिका का विमोचन भी करेंगे।

ओ0बी0सी0 छात्र-छात्राओं को शीघ्र ही शैक्षिक आवासीय सुविधा उपलब्ध होगी

तमसा संकेत, संवाददाता

- पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की 'छात्रावास निर्माण योजना' के अन्तर्गत 06 छात्रावासों का निर्माण कार्य पूर्ण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा पिछड़ा वर्ग के निर्धन छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक आवासीय सुविधाएँ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से छात्रावास निर्माण एवं छात्रावास अनुरक्षण योजनाओं को संचालित किया जा रहा है। इन योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के पिछड़े वर्ग के निर्धन छात्र-छात्राओं को उच्च गुणवत्ता युक्त सुरक्षित, सुविधाजनक एवं अनुकूल शैक्षिक आवासीय वातावरण उपलब्ध कराया जा रहा है। उ0प्र0 सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 20 करोड़ रूपये के बजट की व्यवस्था की गयी है। योजनान्तर्गत राजकीय शिक्षण संस्थाओं में छात्राओं के छात्रावास हेतु केंद्र व राज्य का अनुपात 90ः10 तथा छात्रों के छात्रावास हेतु 60ः40 अनुपात निर्धारित किया गया है।

इसमें कुल 33 प्रतिशत छात्रावासों का निर्माण छात्राओं के लिए आरक्षित है।

वित्तीय वर्ष 2026-27 में पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा छात्रावास निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा बैठक में मा0 मंत्री जी को बताया गया कि राजकीय पॉलिटेक्निक, हण्डिया (प्रयाग-राज), राजकीय के.जी.के. होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज (मुरादाबाद), काशी नरेश राजकीय महाविद्यालय, ज्ञानपुर (संत रविदास नगर), सर्वोदय इंटर कॉलेज, मिहीपुरवा (बहरा-इच), लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय (गोण्डा), वीरभूमि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय (महोबा) में निर्माण कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है।

धमकी : लखनऊ में सीने पर असलहा सटाकर बोला- मार दूंगा, दुकानदारों का प्रदर्शन

पूर्व एमएलसी के बेटे ने दुकानदार पर पिस्टल तानी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के हजरतगंज स्थित श्रीराम टावर में बुधवार रात सपा के पूर्व एमएलसी जयचंद भदौरिया के बेटे विवेक सिंह ने मोबाइल दुकानदार पर पिस्टल से फायर कर दिया। गनीमत रही कि गोली मिस हो गई। इसके बाद उसने दुकानदार के सीने पर पिस्टल की नोक से कई वार किए।

गाली-गलौज करके जान से मारने की धमकी दी। घटना के बाद मौके से फरार हो गया। इससे नाराज दुकानदारों ने हजरतगंज कोतवाली पहुंचकर प्रदर्शन किया। पुलिस पर कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया। हालांकि, पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

पीड़ित दुकानदार का आरोप है कि युवक ने गाली-गलौज करते

पिस्टल निकाल ली। पिस्टल से फायर कर दिया। गनीमत रही कि गोली नहीं चली। इसके बाद आरोपी ने पिस्टल से सीने पर वार कई वार किए। जिससे उन्हें काफी चोट आई। आरोपी ने सीने पर पिस्टल सटाकर गोली मारने की धमकी दी। देर रात बड़ी संख्या में व्यापारी हजरतगंज कोतवाली पहुंचे। पुलिस पर कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया। दुकानदार गुप्ता ने कहा कि हमारे पास आरोपी का मोबाइल और गाड़ी नंबर है। फोटो और अन्य सारी डिटेल है। करीब दो-तीन घंटे से कोतवाली में खड़े हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मामले में कार्रवाई की मांग की। पुलिस के मुताबिक, दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान इटावा के पूर्व सपा एमएलसी जयचंद भदौरिया के बेटे विवेक सिंह के रूप में की गई। वह डालीगंज में रहता है। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

मोबाइल लेने पहुंचा था युवक

महबूबगंज सहादतगंज निवासी काविश अदित श्रीराम टावर में अर्जुन गुप्ता के साथ पार्टनरशिप में मोबाइल वाला नाम से दुकान चलाते हैं। उन्होंने बताया दुकान पर बुधवार रात करीब 9:54 बजे एक युवक मोबाइल लेने पहुंचा। उससे कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर युवक ने पिस्टल निकालकर धमकाना शुरू कर दिया।

> **दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में पूरी घटना रिकॉर्ड हो गई है। शोर-शराबा सुनकर आसपास के दुकानदार और लोग मौके पर पहुंच गए। लोगों को आता देख आरोपी वहां से फरार हो गया। घटना के बाद व्यापारियों में आक्रोश फैल गया।**

आरोपी विवेक सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

जनसुनवाई में मंत्री ए.के. शर्मा ने सुनीं जनसमस्याएं

अधिकारियों को दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने आज लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने ऊर्जा एवं नगर विकास विभाग से संबंधित मामलों की विस्तार से समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं संतोष-जनक निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में बड़ी संख्या में नागरिक अपनी समस्याओं और मांगों को लेकर पहुंचे। इनमें नगर निकायों की सफाई व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, सीवर एवं जल निकासी की समस्याएं, विद्युत

कनेक्शन, ट्रांसफार्मर स्थापना एवं क्षमता वृद्धि, विद्युत आपूर्ति से जुड़े प्रकरण, आवास योजनाओं के लाभ, सड़क एवं प्रकाश व्यवस्था सहित विभिन्न जनसुविधाओं से संबंधित शिकायतें प्रमुख रूप से शामिल रहीं। मंत्री श्री शर्मा ने एक-एक प्रकरण को गंभीरता से सुनते हुए अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने तथा शिकायतकर्ताओं को यथाशीघ्र राहत प्रदान करने के निर्देश दिए।

यूपी का सुहैल गिरफ्तार, कर्नाटक में पेंटर बनकर रहता था, एटीएस का दावा- पाकिस्तानी संगठन के संपर्क में था

राममंदिर को उड़ाने की साजिश

शिकंजा

सहारनपुर, एजेंसी

अयोध्या के राम मंदिर को बम से उड़ाने की साजिश कर रहे एक संदिग्ध आतंकी को ATS-NIA ने बुधवार शाम कर्नाटक से गिरफ्तार किया। युवक का नाम मोहम्मद सुहैल (20) है। वह यूपी के सहारनपुर के गंगोह का रहने वाला है। कर्नाटक की एक फैक्ट्री में काम कर रहा था।

एंटी टेररिस्ट स्क्वॉयड यानी ATS ने दावा किया है कि सुहैल पाकिस्तान के एक आतंकी संगठन से जुड़ा हुआ था। वह पहचान छिपाकर कर्नाटक के दावणगेरे में रह रहा था। हालांकि, उसने पहचान कैसे छिपाई थी, यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। एजेंसियों को सुहैल के मोबाइल से पाकिस्तानी मोबाइल नंबर, संदिग्ध वॉट्सएप ग्रुप और हथियारों के साथ फोटो मिले हैं। NIA और ATS के अफसर उससे पूछताछ कर रहे हैं। उसे जल्द यूपी भी लाया जा सकता है।

सुहैल 5 वीं तक पढ़ा है। वह पहले मजदूरी का काम करता था। 6 जून को ठेकेदार के माध्यम से पेंटर का काम करने के लिए कर्नाटक गया था। वो दिमाग से आधा पागल है। उसे इंस्टाग्राम पर फेमस होने का शौक था। कर्नाटक जाने के बाद से क्या हुआ।

आरोपी सुहैल

पिता मजदूर- भाई ड्राइवर, खुद पांचवी तक पढ़ा है

सुहैल के पिता लियाकत ने बताया- वह मजदूर है। उसके 9 बच्चे हैं। इनमें 5 बेटी और 4 बेटे हैं। सोहेल सभी भाई-बहनों में सबसे छोटा है। बेटियों की शादी हो चुकी है। उसका सबसे बड़ा भाई अयाज है। वह सऊदी में ड्राइवर है।

दूसरा भाई शोएब घर पर ही रहता है। कोई काम नहीं करता। तीसरे नंबर पर जमिल है, वो दिल्ली में होजरी में काम करता है। चौथा बेटा खुद सुहैल है। उसकी उम्र 17 साल है लेकिन उसने आधार कार्ड में अपनी उम्र 20 साल लिखा रखी है।

सूत्रों के अनुसार, कुछ दिन पहले जमीर खान (22) को दावणगेरे से और अल्ला बख्श (24) को तुमकुरु से गिरफ्तार किया गया था। दोनों ने पूछताछ के दौरान सुहैल का नाम कबूला था। इसके आधार पर एटीएस ने उसे गिरफ्तार किया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सुहैल सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तान के आतंकियों के संपर्क में था।

पूछताछ के लिए तुमकुरु ले जाया गया

कर्नाटक के दावणगेरे जिले के एसपी शेखर एचटी के मुताबिक, सुहैल के बारे में उन्हें पहले से ही इनपुट मिल रहे थे। इसके बाद दावणगेरे ग्रामीण सब-डिविजन के डिप्टी एसपी बसवराज, सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी और दावणगेरे क्राइम ब्रांच की टीम के साथ उसे गिरफ्तार करने के लिए ऑपरेशन चलाया गया। उसे दावणगेरे के बन्नीकोडु गांव से गिरफ्तार किया गया है। उसे पूछताछ के लिए दावणगेरे से तुमकुरु जिले ले जाया जा रहा है।

सुहैल की गिरफ्तारी के बाद से उसके घर पर सन्नाटा पसरा हुआ है।

पुलिस को सुहैल के मोबाइल फोन से क्या-क्या मिला?

अधिकारियों के मुताबिक, पूछताछ के दौरान सुहैल ने राम मंदिर पर हमले की योजना को लेकर चर्चा करने की बात स्वीकार की है। जांच एजेंसियों का दावा है कि उसके मोबाइल फोन में हथियारों के साथ उसकी तस्वीरें मिली हैं।

इन तस्वीरों की फोरेंसिक जांच कराई जा रही है। इसके अलावा, उसके मोबाइल में पाकिस्तान के कंट्री कोड वाले संपर्क नंबर और कुछ ऑडियो क्लिप भी मिले हैं, जिनमें वह कथित तौर पर राम मंदिर पर हमले की बात करता हुआ सुनाई देता है।

फास्ट न्यूज

डॉ. रोहित मिश्रा बने भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष

प्रयागराज । भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश संगठन में बड़ा बदलाव करते हुए भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) की नई टीम का ऐलान कर दिया है। पार्टी नेतृत्व ने युवा नेता डॉ. रोहित मिश्रा को भारतीय जनता युवा मोर्चा, उत्तर प्रदेश का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। इससे पहले वह भाजयुमो में प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। उनकी नियुक्ति को संगठन में सक्रिय कार्यकर्ताओं और युवा नेतृत्व को बढ़ावा देने के तौर पर देखा जा रहा है।

अक्षिता को पाकर आकाशदीप ने वी-साइन बनाया

वाराणसी। काशी की जमीं पर बुधवार को आकाश ने नई पारी का आगाज किया। स्टेज पर तेज गेंदबाज आकाशदीप अपनी जीवन साथी अक्षिता की गुगली पर बोल्ड हो गए। शादी के स्टेज पर क्रिकेट मैदान की तरह नजर आए। अक्षिता को साथ पाकर जीत का उत्साह दिखाया। आकाशदीप ने अपनी जीवन साथी का हाथ उठाकर वी साइन बनाकर जश्न का इशारा किया। अक्षिता को सामने देखकर मुस्कुराए और पास आने पर सिर झुकाकर वरमाला पहन ली। दोनों ने एक दूसरे को वरमाला पहनाई और आए अतिथियों को हाथ जोड़कर प्रणाम किया।

किन्नरों ने मुझे किडनैप कर लिया- छात्रा ने रची कहानी

प्रयागराज । प्रयागराज में 9वीं की छात्रा ने गुरुवार सुबह करीब 8:30 बजे खुद का अपहरण होने की सूचना दी। फोन करके घरवालों को बताया कि 4 किन्नरों ने अपहरण कर लिया है। वो लोग मुझे ले जा रहे है। घरवाले मौके पर पहुंचे, तो वहां कोई नहीं मिला। इसके बाद छात्रा का मोबाइल भी स्विच ऑफ हो गया।

गाजियाबाद और प्रयागराज में तेज बारिश, 26 जिलों में अलर्ट

गर्मी-उमस बढ़ी, 3 दिन में आ सकता है मानसून

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी, लखनऊ। यूपी में मौसम के उतार-चढ़ाव का सिलसिला जारी है। गुरुवार तड़के प्रयागराज में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। मेरठ में हल्की बूंदाबांदी हुई। सुबह से प्रदेश के ज्यादातर शहरों में धूप निकली हुई है। हवा की स्पीड धीमी होने से गर्मी और उमस भी बढ़ गई है। मौसम विभाग ने आज 26 जिलों में बारिश और 8 जिलों में हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 60 किमी की रफ्तार से आंधी भी चल सकती है। इस बीच, मानसून को लेकर राहतभरी खबर है। यह 2-3 दिनों में यानी 28 जून तक बिहार बॉर्डर से गोरखपुर-महराजगंज के रास्ते प्रदेश में एंट्री कर सकता है। 29 जून तक लखनऊ पहुंच सकता है। 1-2 जुलाई तक पूरे यूपी में छा सकता है। आमतौर पर मानसून 20 जून तक आ जाता है। यानी इस बार 8 दिन लेट है। मानसून 15 दिनों से महराजगंज के पास रुका है। पिछले 24 घंटे की बात करें तो बांदा सबसे गर्म रहा। यहां अधिकतम तापमान 44.2℃ रिकॉर्ड किया गया। वाराणसी, आजमगढ़, ललितपुर और जालौन में तेज बारिश हुई। शाम को आगरा में आंधी से सड़क किनारे खड़ी कारों पर पोल गिर गया। दो कारों का पिछला हिस्सा पिचक गया। लखनऊ मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने कहा-दक्षिण-पश्चिम मानसून 23 जून को राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के कुछ भागों में सक्रिय हो गया है।

प्रतापगढ़ में हर साल मोहर्रम पर करते हैं भंडारा, 12 साल पहले हुआ था विवाद

‘राजा भैया’ के पिता उदय सिंह समेत 13 नजरबंद

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रतापगढ़ । यूपी पुलिस ने जनसत्ता दल (लोकतांत्रिक) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और कुंडा विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ ''राजा भैया'' के पिता राजा उदय प्रताप सिंह समेत 13 लोगों को प्रतापगढ़ पुलिस ने नजरबंद कर दिया है। यह कार्रवाई कुंडा क्षेत्र के संवेदनशील माने जाने वाले शेखपुर आशिक गांव में मोहर्रम के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए की गई है।

सुबह भारी संख्या में फोर्स उनके कुंडा स्थित आवास पहुंची और नोटिस भी चस्पा किया। प्रशासन के मुताबिक सभी लोगों को गुरुवार सुबह 5 बजे से शुक्रवार रात 9 बजे तक पुलिस निगरानी में रखा जाएगा।

सातवीं बार नजरबंद किए गए उदय प्रताप

बताया जा रहा है कि वर्ष 2016 में जिला प्रशासन ने भंडारे की अनुमति नहीं दी थी, जिसके बाद मामला हाईकोर्ट तक पहुंच गया। अदालत ने जिलाधिकारी को अपने विवेक से निर्णय लेने के निर्देश दिए थे। इसके बाद से मोहर्रम के अवसर पर राजा उदय प्रताप सिंह को एहतियातन हाउस अरेस्ट किया जाता रहा है। प्रशासनिक सूत्रों के मुताबिक इस बार उन्हें सातवीं बार नजरबंद किया गया है। हर वर्ष पुलिस की मौजूदगी में ही मोहर्रम का जुलूस शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया जाता है।

बंदर की मौत के बाद बना था मंदिर

ग्रामीणों के अनुसार वर्ष 2012 में गांव के पास सड़क किनारे एक बंदर की मौत हो गई थी। इसके बाद स्थानीय लोगों ने वहां हनुमान मंदिर का निर्माण कराया। राजा उदय प्रताप सिंह ने मंदिर पर हनुमान पाठ और भंडारे की शुरुआत की, जो संयोगवश मोहर्रम के दिन आयोजित होता रहा। वर्ष 2013 और 2014 में भंडारा और मोहर्रम का जुलूस साथ-साथ निकला था, लेकिन 2015 के बाद स्थिति बदल गई और प्रशासन को विशेष सतर्कता बरतनी पड़ने लगी।

राजा भैया के पैतृक आवास पर सुबह पुलिस पहुंची और नोटिस चस्पा किया।

भारी पुलिस बल तैनात

प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार पांडेय ने बताया कि नजरबंद किए गए सभी लोगों के घरों पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। शेखपुर आशिक में मोहर्रम रूट को चार सेक्टरों में विभाजित किया गया है। सुरक्षा व्यवस्था के लिए एक क्षेत्राधिकारी (सीओ), 6 इंस्पेक्टर, 30 उपनिरीक्षक, 40 हेड कांस्टेबल, 80 कांस्टेबल, 30 महिला आरक्षी, 3 फायर टेंडर और एक प्लाटून पीएसी तैनात की गई है। प्रशासन का कहना है कि मोहर्रम का पर्व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से एहतियाती कदम उठाए गए हैं और पूरे क्षेत्र में कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

फिर केडीए पलटा, कानपुर में सीलिंग के 24 घंटे बाद पट्टी हटाई, पेंट कर सबूत मिटाए

सतीश महाना के भाई की बिल्डिंग सील

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के भाई की बिल्डिंग सील करने के 24 घंटे बाद ही कानपुर विकास प्राधिकरण (KDA) अफसरों ने यू-टर्न ले लिया। अब अधिकारियों का कहना है कि बिल्डिंग सील नहीं की गई थी। सिर्फ नोटिस दिया गया था।

हालांकि, KDA ने बेसमेंट को सील किया था। वहां सीलिंग की पट्टी भी लगाई गई थी। पेंट से सीलिंग की कार्रवाई लिखी गई थी। आरोप है कि बाद में सीलिंग हटा दी गई और पेंट कर सबूत मिटा दिए गए। इसको लेकर जिन संस्थानों पर एक्शन हुआ है, सभी में गुस्सा है।

बिट्टू महाना ने कहा कि बेसमेंट में संचालन सिर्फ उनकी बिल्डिंग में ही नहीं, बल्कि पूरे कानपुर में कई जगह हो रहा है। अगर प्रशासन निर्देश देगा तो एक मिनट में बेसमेंट खाली करा दिया जाएगा। प्रशासन की ओर से उन्हें कोई नोटिस नहीं दिया गया और बिना पूर्व सूचना के सीधे कार्रवाई करते हुए परिसर को सील कर दिया गया।

बिट्टू महाना ने दावा किया कि परिसर में फायर सेफ्टी के सभी इंतजाम मौजूद हैं। उनके पास फायर एनओसी समेत सभी जरूरी दस्तावेज हैं। प्रशासन ने व्यवस्थाएं दिखाने का मौका भी नहीं दिया। उनके पहुंचने से पहले ही सीलिंग की कार्रवाई कर दी गई। बिट्टू महाना ने कहा- प्रशासन ने हमें बिल्डिंग में व्यवस्थाएं दिखाने का मौका ही नहीं दिया।

गुरुवार दोपहर सील तोड़ दी गई और नोटिस की कार्रवाई को सफेद पेंट कर दिया गया।

तीन कोचिंग और एक रेस्टोरेंट चलता मिला

जाजमऊ में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के भाई बिट्टू महाना और मन्नू महाना की बिल्डिंग में KDA जोन-1 के प्रवर्तन दस्ते ने बुधवार को जांच की। इस दौरान बेसमेंट में एक रेस्टोरेंट और ऊपर की मंजिलों पर तीन कोचिंग सेंटर चलते मिले।

जांच में सभी को मानकों के विपरीत पाया गया, जिसके बाद KDA ने कार्रवाई करते हुए नोटिस चस्पा कर बिल्डिंग को सील कर दिया। KDA जोन-3 प्रवर्तन विभाग के प्रभारी अभियंता ने बताया कि उन्हें जानकारी नहीं है कि यह बिल्डिंग किसकी है।

बिल्डिंग के बेसमेंट में चल रहे रेस्टोरेंट को भी सील किया गया था।

महाना की बिल्डिंग पर कार्रवाई से मुकरे केडीए सचिव

KDA सचिव अभय कुमार पांडेय ने बताया कि इस मामले में प्रवर्तन प्रभारी की टीम से मिली जानकारी के अनुसार बुधवार को क्षेत्र में सिर्फ नोटिस देने की कार्रवाई की जा रही थी। प्राधिकरण की टीम ने अभी केवल नोटिस जारी किए हैं।

मंत्री आशीष पटेल से मिला एबीपीए का प्रतिनिधिमंडल

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा । अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन (एबीपीए) के राष्ट्रीय अध्यक्ष शशिभूषण सिंह के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर प्रदेश सरकार के प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल से मुलाकात कर फार्मेसी संवर्ग एवं शिक्षकों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री को एक विस्तृत मांग पत्र सौंपते हुए प्राविधिक शिक्षा परिषद द्वारा की जा रही कई विसंगतियों को तत्काल दूर करने का आग्रह किया।प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि परिषद की कुछ नीतियों और प्रशासनिक निर्णयों के कारण फार्मेसी शिक्षकों को अनावश्यक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। एसोसिएशन ने फार्मेसी के शिक्षकों के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा तकनीकी और प्रशासनिक स्तर पर व्याप्त समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की।मुलाकात के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष शशिभूषण सिंह ने कहा कि परिषद की कार्यप्रणाली में सुधार तथा हितधारकों की परिषद में भागीदारी बढ़ाने पर भी जोर दिया। प्रदेश अध्यक्ष शिवकुमार ने ज्ञापन के माध्यम से मंत्री से मांग किया कि फार्मेसी की कॉपियों की मूल्यांकन राशि लगभग 10 वर्षों से नहीं बढ़ी है जिसे तत्काल बढ़ाकर 30 रुपए की जाए। वही राष्ट्रीय सचिव राजाराम गंगवार ने मंत्री से मांग कि फार्मेसी संवर्ग के शिक्षकों की भागीदारी परिषद के इंस्पेक्शन में बढ़ाई जाए और परीक्षकों की आई डी का परीक्षण और वेरिफिकेशन कराए जाये।

पृष्ठ 01 का शेष...

राम मंदिर चढ़ावा चोरी ...

संजय सिंह ने बाहर आकर कहा- राम मंदिर में जमीन घोटाले के 11 कागजात मैंने एसआईटी को सौंपे हैं। उन्होंने कहा- एक-एक कर सब सामने आ रहा है। पैसे की बरामदगी हो चुकी है, चढ़ावे में चोरी के तमाम साक्ष्य मिल चुके हैं। फिर भी अब तक कोई जेल क्यों नहीं गया? किसी की गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई? कोई FIR अब तक क्यों दर्ज नहीं हुई? यह बेहद हैरान करने वाली बात है।"

दरअसल, संजय सिंह ने दावा किया था कि उनके पास अयोध्या में जमीन घोटाले से जुड़े सबूत हैं। इसके बाद SIT के प्रमुख कुमार विश्वास पंत ने उन्हें सबूत के साथ बुलाया था। वहीं आप पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल ने कहा- राममंदिर में चढ़ावा चोरी की घटना से दुःखी हूं। कल भगवान राम के दर्शन करने जाऊंगा।

अयोध्या में आप विधायक अनिल झा ने महंत राजू दास के अरविंद केजरीवाल को 'कालनेमि' कहे जाने पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा- यह व्यवहार संतों के अनुरूप नहीं बल्कि रावणतुल्य है। अयोध्या के वास्तविक संत सनातन धर्म की परंपरा का पालन करते हुए यहां आने वाले सभी श्रद्धालुओं का स्वागत करते हैं।

हिंदू महासभा नें ...

वहीं मांग की है कि ट्रस्ट के सभी पदाधिकारी और ट्रस्टी नैतिक आधार पर अपने पदों से इस्तीफा दें। पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच के लिए सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की निगरानी में जांच कराने की पहल स्वयं करें।

चंपत राय के इस्तीफे...

दरअसल, गुरुवार सुबह से सोशल मीडिया पर चंपत राय के इस्तीफे को लेकर दावा किया जा रहा था। कई पत्रकारों और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स ने इसे लेकर X पर पोस्ट किए थे। इसके बाद संवाददाता मंदिर निर्माण प्रभारी गोपाल राव और विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय महासचिव बजरंग लाल बागड़ा से फोन पर बात की। बजरंग लाल बागड़ा ने भी कहा- चंपत राय से इस्तीफा लेने की बात गलत है।

‘दोषी को सजा होगी ...

साथ ही वारदात से जुड़े जगहों का निरीक्षण किया।

विनोद कुमार सिन्हा से मुलाकात के बाद भरत तिवारी की मां आशा देवी ने बताया,उन्होंने मुझसे कहा कि आप लिखकर दीजिए क्या चाहती हैं। मैंने जज साहब से कहा कि मेरे बेटे को को जिस-जिस ने मारा है, उसे फांसी होनी चाहिए।जिस SDM का मेरे बेटे की हत्या में हाथ था वो भी उनके साथ आया था। मैंने उनके सामने कहा कि इसे फांसी दो। प्रशासन गुंडा है, गुंडे का एक ही इलाज है फांसी। मुझे कोर्ट पर विश्वास है। CBI जांच होनी चाहिए।

चंपत राय क्या राज ...

उन्होंने देशवासियों से कहा कि सोचिए, चंपत राय ने प्रधानमंत्री को हिसाब देने से मना कर दिया। चंपत राय की इतनी हिम्मत कैसे हो गई? चंपत राय ऐसे क्या राज जानते हैं कि प्रधानमंत्री भी उनके सामने मजबूर हैं? और दूसरी ओर एसआईटी छोटे-छोटे कर्मचारियों को बुला कर करोड़ों हिन्दुओं की आंखों में धूल झोंक रही है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को वह पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी व सांसद संजय सिंह के साथ भगवान श्रीराम का दर्शन करेंगे और हनुमानगढ़ी जाकर संतों से मुलाकात भी करेंगे।

मीडिया से बातचीत के दौरान अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अयोध्या में श्री रामचंद्र जी के मंदिर से मीडिया और सोशल मीडिया में जिस तरह की खबरें आ रही हैं, उससे दिल बहुत आहत है। इन लोगों ने भगवान जी का चढ़ावा, उनकी माला और उनकी पादुका तक चोरी कर ली। लोगों ने बहुत भावना के साथ भगवान को जो हीरे-जवाहरात चढ़ाए थे, वे भी चोरी कर लिए। बताया जा रहा है कि लगभग 200 करोड़ रुपए का कैश और किसी श्रद्धालु द्वारा दी गई 200 किलो चांदी भी चोरी कर ली गई है।

जल्द मिलेगी 5 लाख ...

कार्यक्रम के दौरान लोकतंत्र सेनानियों ने आपातकाल के दौरान झेली गई यातनाओं की आपबीती सुनाई, जिसे सुनकर पूरा सभागार भावुक हो उठा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घोषणा की कि प्रदेश सरकार जल्द ही लोकतंत्र सेनानियों के लिए पांच लाख रुपये प्रतिवर्ष तक की कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा लागू करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले किसी भी सेनानी को इलाज के लिए आर्थिक कठिनाई का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र सेनानियों और उनके परिवारों के सम्मान एवं सुरक्षा के लिए सरकार लगातार नई पहल कर रही है।

कापां वेनेजुएला...

इससे कई शहरों में इमारतें गिर गईं या खतरनाक तरीके से झुक गईं। कराकस एयरपोर्ट की छत का कुछ हिस्सा गिर गया। इससे धूल का गुबार उठता दिखाई दिया। वेनेजुएला या उसके आसपास के तटीय क्षेत्र में 7.5 तीव्रता वाला भूकंप पिछले 100 से अधिक साल में आया सबसे शक्तिशाली भूकंप है।

इससे पहले वर्ष 1900 में 7.7 तीव्रता का सैन नार्सिसो भूकंप आया था। उसका केंद्र भी कैरेबियाई तट के पास था।

उस भूकंप में कराकस की कई चर्च, सरकारी इमारतें और घर क्षतिग्रस्त हो गए थे। USGS के अनुसार उसमें 21 लोगों की मौत और 50 से अधिक लोग घायल हुए थे।

कोलकाता में बारिश...

इधर, 6 राज्यों- उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली में प्री-मानसून बारिश जारी है। मौसम विभाग ने दिल्ली-NCR में अगले कुछ घंटों के दौरान आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। हवा की रफ्तार 70 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। इससे पेड़ गिरने और टेंट-शेड उड़ने का खतरा है।

गोवा के बागा बीच पर बुधवार को एक टूरिस्ट की समुद्र में बहने से मौत हो गई। कर्नाटक के रहने वाले सहस अशपाक मसाली (33) समुद्र किनारे चट्टानों पर बैठे थे। इसी दौरान तेज लहरें उठीं और उफनते समुद्र ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। विश्व मौसम विज्ञान संगठन के सदस्य डॉ. पंकज कुमार के मुताबिक, सुपर अल नीनो में प्रशांत महासागर का पानी सामान्य से काफी ज्यादा गर्म हो जाता है। इससे मानसून की गति, दिशा और निरंतरता प्रभावित हो सकती है।

22 राज्यों में मानसून ...

मध्य प्रदेश और बिहार में अगले 2-3 दिनों तक हीटवेव की स्थिति बनी रह सकती है। उत्तर-पश्चिम भारत में 25 जून तक तापमान में खास बदलाव नहीं होगा। इसके बाद 26 से 28 जून के बीच अधिकतम तापमान 2-3°C तक बढ़ सकता है। मध्य भारत में 28 जून तक तापमान में करीब 3°C की गिरावट आने की संभावना है।

1 जुलाई से पासपोर्ट ...

पासपोर्ट के अलावा खोए या क्षतिग्रस्त पासपोर्ट के बदले नया पासपोर्ट, पुलिस क्लियरेंस सर्टिफिकेट (PCC) और सरेंडर सर्टिफिकेट जैसी सेवाओं के शुल्क भी बढ़ाए गए हैं।

अगर आपका 36 पन्नों का पासपोर्ट खो जाता है, तो नॉर्मल प्रोसेसिंग के तहत उसे दोबारा बनवाने के लिए 5,000 रुपए देने होंगे, जबकि तत्काल में यह खर्च 7,500 तक पहुंच जाएगा। इसी तरह, 60 पन्नों वाले रिप्लेसमेंट पासपोर्ट के लिए नॉर्मल कैटेगरी में 6,000 रुपए और तत्काल के लिए 8,500 रुपए की फीस तय की गई है।

नाबालिग आवेदकों के मामले में भी यदि 36 पन्नों का पासपोर्ट खो जाता है या डैमेज हो जाता है, तो उसे बदलवाने के लिए नॉर्मल कैटेगरी में 4,250 रुपए खर्च करने होंगे। वहीं, अगर कोई पेरेंट्स अपने बच्चे का खोया हुआ पासपोर्ट तत्काल सर्विस के जरिए जल्द से जल्द बनवाना चाहते हैं, तो उन्हें 6,750 रुपए की फीस चुकानी होगी।

स्कॉटलैंड को 3-0 से हराया, विनीसियस ने डबल गोल किए, नेमार भी मैदान पर उतरे

ब्राजील फुटबॉल वर्ल्ड कप के नॉकआउट में

खेल

मियामी गार्डन्स, एजेंसी

5 बार की वर्ल्ड चैंपियन ब्राजील ने फुटबॉल वर्ल्ड कप के नॉकआउट राउंड में प्रवेश कर लिया है। उसने गुरुवार सुबह ग्रुप-सी के मैच में स्कॉटलैंड को 3-0 से हराया। मियामी स्टेडियम में ब्राजील की ओर से विनीसियस जूनियर ने दो गोल किए। जबकि एक गोल मैथियस कुन्हा ने दागा।

स्कॉटलैंड 1998 के बाद पहली बार वर्ल्ड कप में खेल रहा है, लेकिन टीम एक बार फिर ग्रुप चरण से आगे बढ़ने में नाकाम रही। टूर्नामेंट के इतिहास में यह नौवीं बार है, जब स्कॉटलैंड ग्रुप चरण पार नहीं कर सका। वहीं, ब्राजील दूसरी जीत के साथ 7 अंक लेकर ग्रुप-सी के टॉप पर है। विनीसियस अब टूर्नामेंट में चार गोल कर चुके हैं और गोल्डन बूट की दौड़ में फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे की बराबरी पर पहुंच गए हैं। दोनों के चार-चार गोल हैं, जबकि अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी पांच गोल के साथ टॉप पर हैं। हैती ने मैच में दो बार बढ़त की। लेकिन, उसे बनाए नहीं रख सकी। 52 साल बाद वर्ल्ड कप खेलने उतरी हैती की टीम टूर्नामेंट में अपना पहला अंक हासिल करने में भी सफल नहीं हो सकी। उसका वर्ल्ड कप अभियान ग्रुप चरण में ही समाप्त हो गया।

टीम मेट्स के साथ गोल सेलिब्रेट करते विनीसियस जूनियर।

मोरक्को भी राउंड ऑफ 32 में पहुंचा, हैती बाहर

ग्रुप-सी के आखिरी मैच में मोरक्को ने हैती को 4-2 से हराया। इस जीत से टीम राउंड ऑफ-32 में पहुंच गई। अटलांटा स्टेडियम में मोरक्को दो बार पिछड़ा, लेकिन हार नहीं मानी और वापसी करते हुए जीत हासिल की। मोरक्को के लिए सूफियान रहीमी ने 78वें मिनट में डिफ्लेक्टेड शॉट के जरिए टीम को 3-2 की बढ़त दिलाई। इसके बाद 89वें मिनट में गेसीम यासीन ने गोल कर जीत पर मुहर लगा दी।

> ब्राजील के स्टार खिलाड़ी नेमार ने 76वें मिनट में मैदान पर उतरकर चोट के बाद वापसी की। दाएं पिंडली की समस्या के कारण वह टीम के शुरुआती दो मुकाबलों में नहीं खेल पाए थे। स्टेडियम में मौजूद ब्राजीलियाई प्रशंसकों ने उनकी वापसी का जोरदार स्वागत किया।

नेमार ने 76वें मिनट में मैदान पर उतरे। वे इस वर्ल्ड कप में पहला मैच खेल रहे थे।

विनीसियस ने फर्स्ट हाफ में दोनों गोल किए

विनीसियस ने मैच के 7वें मिनट में गोल कर ब्राजील को शुरुआती बढ़त दिलाई। उन्होंने हाफ टाइम से ठीक पहले दूसरा गोल भी दागा। कुन्हा ने भी हाफ टाइम से ठीक स्कोरशीट में नाम दर्ज कराया।

आईपीएल सीजन में 87% तक सैलरी घाटा सह चुके खिलाड़ी

मुंबई, एजेंसी

आईपीएल की चकाचौंध जितनी बड़ी है, उतनी ही बेरहम भी है। यहां एक ही सीजन में करोड़ों कमाने वाले खिलाड़ियों की कीमत अगले ही साल जमीन पर आ सकती है। हाल ही में लखनऊ सुपर जायंट्स छोड़कर दिल्ली कैपिटल्स से जुड़े ऋषभ पंत की सालाना सैलरी में 12 करोड़ रुपए की भारी भरकम कटौती हुई है। लीग इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी 27 करोड़ रुपए के पंत सिर्फ 15 करोड़ रुपए में दिल्ली के लिए खेलेंगे। हालांकि, पंत इकलौते ऐसे खिलाड़ी नहीं हैं, जिनकी सैलरी में इतनी बड़ी गिरावट देखने को मिली है। इससे पहले भी कई खिलाड़ियों को अपनी आईपीएल सैलरी में बड़ी गिरावट झेलनी पड़ी है। साल 2025 में कोलकाता नाइट राइडर्स ने ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर को 23.75 करोड़ रुपए में खरीदा था। लेकिन एक सीजन बाद ही रिलीज कर दिया। मिनी ऑक्शन में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने उन्हें मात्र 7 करोड़ रुपए में खरीदा। यानी कीमत में करीब 17 करोड़ रुपए की भारी गिरावट आई।

आईपीएल ट्रेड डीसी लौटे ऋषभ पंत की सैलरी 12 करोड़ घटी, इन 5 प्लेयर्स को भी नुकसान

साल 2021 में पंजाब किंग्स ने भरोसा जताते हुए 14 करोड़ रुपए की बड़ी रकम खर्च की। मगर चोट और लगातार अनुपलब्धता का असर उनकी कीमत पर पड़ा। 2023 के ऑक्शन में मुंबई इंडियंस ने उन्हें मात्र 1.5 करोड़ रुपए में खरीदा। बदकिस्मती से यह ऑस्ट्रेलियाई पेसर उस सीजन में भी चोट के कारण कोई मैच नहीं खेल पाया।

वैभव सूर्यवंशी को अलग चेंजिंग रूम मिलेगा

आईसीसी की चाइल्ड सेफगार्डिंग पॉलिसी के कारण फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी

15 साल के क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी को इंग्लैंड और आयरलैंड दौरे पर अलग चेंजिंग रूम मिलेगा। ECB के अधिकारी ने ब्रिटिश अखबार द गार्डियन को बताया कि उनकी फैमिली भी टीम होटल में उनके साथ ही रहेगी। हालांकि, वैभव मैचों के दौरान टीम के अन्य खिलाड़ियों के साथ रह सकेंगे। वे टीम मीटिंग्स में हिस्सा भी लेंगे।

यह फैसला ICC (इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल) की चाइल्ड सेफगार्डिंग पॉलिसी के कारण लिया है, जिसे ICC ने इसे 2019 में लागू किया था। भारत-आयरलैंड टी-20 सीरीज 26 जून से शुरू होगी। इसके बाद 1 जुलाई से टीम इंडिया इंग्लैंड दौरे पर जाएगी। जहां 5 टी-20 और 3 वनडे मैच होंगे। वैभव से पहले इंग्लिश क्लब आर्सेनल के फुटबॉलर मैक्स डोमैन को दिसंबर 2025 में टीम के अन्य खिलाड़ियों से अलग चेंजिंग रूम मिला था। उस वक्त उनकी उम्र 15 साल थी। अंडर-16 खिलाड़ियों के लिए सेफगार्डिंग पॉलिसी के तहत अलग नियम होते हैं। इसका उद्देश्य नाबालिग खिलाड़ियों को शारीरिक शोषण, मानसिक प्रताड़ना और किसी भी तरह के दुर्व्यवहार से सुरक्षित रखना है। इसके तहत खिलाड़ियों के लिए सुरक्षित और स्वस्थ माहौल बनाया जाता है। खेलों में चाइल्ड सेफगार्डिंग नियम अचानक नहीं बने। सालों तक स्पोर्ट्स अकादमी, ड्रेसिंग रूम और ट्रेनिंग सेंटर्स में नाबालिग खिलाड़ियों के साथ यौन शोषण, मानसिक प्रताड़ना के कई मामले सामने आए। इन घटनाओं के बाद फीफा, इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी जैसी संस्थाओं को 'लॉकर रूम बैन' और 'नो 1-ऑन-1' जैसे सख्त नियम बनाने पड़े। बाद में इन नियमों को ICC ने भी स्वीकार किया।

70 टन स्टील, 18 महीने में तैयार हुआ, वर्ल्डकप में सबसे ज्यादा गोल करने वाले फुटबॉलर

मेसी के जन्मदिन पर सबसे बड़ा 85 फीट का स्टैच्यू

नई दिल्ली, एजेंसी

अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी के 39वें जन्मदिन के मौके पर उनका सबसे बड़ा स्टैच्यू बनाया गया। बुधवार 24 जून को अर्जेंटीना के पटागोनिया के कट्राल शहर में मेसी की 85 फीट ऊंची मूर्ति का उद्धघाटन किया गया। यह दुनिया में मेसी की अब तक की सबसे बड़ी प्रतिमा है। स्टैच्यू को बनाने में 70 हजार किलो (70 टन) स्टील का इस्तेमाल हुआ। इसे तैयार करने में 18 महीने लगे। यह सम्मान मेसी के वर्ल्डकप इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वाले फुटबॉलर बनने के दो दिन बाद मिला। मेसी ने सोमवार को ऑस्ट्रिया के खिलाफ 2 गोल दागकर जर्मनी के मिरोस्लाव क्लोजे का रिकॉर्ड तोड़ा था। उनके नाम अब 18 वर्ल्डकप गोल हो चुके हैं। वर्ल्डकप के दौरान अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स में मेसी के सम्मान में म्यूरल भी बनाया गया है। करीब 20 फीट चौड़ी और 18 फीट ऊंची इस कलाकृति पर 1300 प्रशंसकों ने अपने नाम लिखे हैं। कलाकार लियोनेल गार्सिया ने 18 दिनों में यह म्यूरल तैयार किया है। मेसी ने वीडियो के जरिए सभी फैंस का धन्यवाद किया और कहा, आप सभी का बहुत-बहुत शुक्रिया। जो लोग इस पहल से जुड़े और लगातार समर्थन कर रहे हैं, मैं उनका आभारी हूं।

भारत में बनी 70 फीट की प्रतिमा हटानी पड़ी थी

मेसी ने पिछले साल दिसंबर में भारत का दौरा किया था। इसी दौरान वेस्ट बंगाल में उनकी 70 फीट ऊंची प्रतिमा बनाई गई थी। 27 दिनों में तैयार हुई उस प्रतिमा को दुनिया के सबसे बड़े फुटबॉलर स्मारकों में गिना गया था, लेकिन इसी महीने स्थानीय प्रशासन ने उसे हटाने का आदेश दे दिया। अधिकारियों के मुताबिक तेज हवा में प्रतिमा हिल रही थी और सुरक्षा के लिहाज से खतरा बन सकती थी।

2022 वर्ल्डकप फाइनल का पल दिखाती है प्रतिमा

प्रतिमा में मेसी को कतर वर्ल्डकप 2022 फाइनल के बाद घुटनों पर बैठे हुए दिखाया गया है। फ्रांस के खिलाफ फाइनल में गोंजालो मोंटिएल के पेनल्टी गोल के बाद अर्जेंटीना वर्ल्ड चैंपियन बना था। मूर्ति में मेसी एक हाथ में अर्जेंटीना की जर्सी पकड़े हुए हैं, जबकि दूसरे हाथ की उंगली आसमान की ओर उठी हुई है। गोल करने के बाद मेसी अक्सर अपनी दादी को श्रद्धांजलि देने के लिए ऐसा जश्न मनाते हैं।

> 61 साल के स्थानीय मूर्तिकार एल्डो बेरोइसा ने इस प्रतिमा को तैयार किया है। इससे पहले वे डायनासोर और अर्जेंटीना के स्वतंत्रता सेनानियों की विशाल मूर्तियां बना चुके हैं। बेरोइसा ने कहा, मेसी अर्जेंटीना के राजदूत हैं। एक कलाकार और अर्जेंटीनी होने के नाते यह मेरे लिए बेहद खास परियोजना थी।

मनोरंजन

जया बच्चन ने सरेआम बहू कहा, कपूर खानदान की पहली एक्ट्रेस, हनीमून पर पति ने दोस्तों के साथ सोने को कहा

52 साल की हुई करिश्मा कपूर

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। 90 के दशक में बॉलीवुड पर राज करने वालीं करिश्मा कपूर आज 52 साल की हो चुकी हैं। 65 से ज्यादा फिल्मों और अनगिनत हिट्स के दम पर सुपरस्टार बनीं करिश्मा को कपूर खानदान की रीत बदलने का क्रेडिट भी दिया जाता है। उनसे पहले कपूर खानदान की महिलाओं पर फिल्मों से जुड़ने पर पाबंदी थी।

करिश्मा की कहानी सिर्फ स्टारडम की नहीं, बल्कि अधूरे रिश्तों और विवादों की भी है। कभी अक्षय खन्ना उनसे शादी करना चाहते थे। उनके पिता विनोद खन्ना ने रिश्ता भी भिजवाया, लेकिन करिश्मा की मां बबीता ने रिश्ता ठुकरा दिया। कहा जाता है कि यही वजह है कि अक्षय ने कभी शादी नहीं की। आगे अभिषेक से उनकी शादी तय हुई और जया बच्चन ने सार्वजनिक मंच पर उन्हें बहू कहकर मीडिया के सामने इंट्रोड्यूस किया, लेकिन ये शादी भी चर्चा में रहने के बावजूद टूट गई।

पिता चाहते थे अक्षय खन्ना से हो करिश्मा की शादी

करिश्मा कपूर करियर के पीक पर थीं, जब उनके पिता रणधीर कपूर ने दोस्त विनोद खन्ना से कहा था कि वो चाहते हैं कि करिश्मा की शादी उनके बेटे अक्षय खन्ना से हो। विनोद खन्ना भी इस पर विचार कर रहे थे कि तभी बबीता ने इससे साफ इनकार कर दिया।

अभिषेक बच्चन को जीजू कहती थीं करीना कपूर

कपूर और बच्चन परिवार हमेशा से ही करीबी रहा है। दरअसल, अमिताभ बच्चन की बेटी और अभिषेक बच्चन की बहन श्वेता की शादी, करिश्मा कपूर की बुआ ऋतु नंदा के बेटे निखिल नंदा से हुई। श्वेता-निखिल की शादी के कुछ समय बाद ही करिश्मा कपूर और अभिषेक की दोस्ती बढ़ गई और दोनों एक-दूसरे को पसंद करने लगे। तब अभिषेक फिल्मों में नहीं आए थे। दोनों परिवारों को भी इस रिश्ते से ऐतराज नहीं था।

करिश्मा ने 2003 में बचपन के दोस्त संजय कपूर से शादी की। हालांकि बाद में ये शादी विवादों में बदल गई। करिश्मा ने दावा किया कि हनीमून में पति संजय ने दोस्तों से उनकी बोली लगवाई।

> करिश्मा कपूर ने मुंबई के कैथेड्रेल एंड जॉन केनन स्कूल से पढ़ाई की। संजय कपूर ने शुरुआत में देहरादून के दून स्कूल से पढ़ाई की लेकिन कुछ सालों में ही उनका दाखिला करिश्मा के स्कूल में करवा दिया गया। दोनों की दोस्ती और बढ़ गई।स्कूलिंग के बाद संजय कपूर पढ़ाई करने विदेश चले गए और करिश्मा की रुचि फिल्मों में बढ़ने लगी और इस तरह दोनों की दोस्ती में दूरी आ गई। दोनों अपनी-अपनी दुनिया में व्यस्त होते चले गए।

फिल्मी दुनिया करिश्मा को अट्रैक्ट करती थी

फिल्मी दुनिया हमेशा से ही करिश्मा को अट्रैक्ट करती थी। बचपन से ही वो दादाजी राज कपूर और पिता रणधीर के फिल्मों के सेट पर जाया करती थीं। वो अक्सर दादाजी से कहती थीं, 'मैं भी एक दिन हीरोइन बनूंगी', इस पर राज कपूर उन्हें जवाब देते थे- 'एक्टर बनना कोई आसान काम नहीं है, अगर तुम एक्टर बनना चाहती हो, तो कांटों पर चलो और मिट्टी पर काम करो ताकि अच्छी एक्टर बन सको। एक्टर को हमेशा बेस्ट बनने का लक्ष्य रखना चाहिए।' जब एक दिन करिश्मा ने पिता रणधीर से कहा कि उन्हें हीरोइन बनना है, तो पिता ने साफ इनकार कर दिया कि कपूर खानदान की लड़कियां एक्टिंग नहीं करेंगी। लेकिन उनकी मां बबीता उनके सपोर्ट में थीं। ये वो दौर था, जब फिल्में न चलने से परेशान होकर वो काफी ज्यादा शराब पीने लगे थे। इससे उनके और बबीता के रिश्ते में भी अनबन चल रही थीं। फिर एक समय ऐसा आया, जब करिश्मा के करियर को सपोर्ट करते हुए बबीता ने 1987 में रणधीर का घर छोड़ दिया। राज कपूर की पोती होने के चलते उन्हें बिना संघर्ष फिल्मों के ऑफर मिलने लगे। 16 की उम्र में उन्होंने एक साथ कई फिल्में साइन कीं। सबसे पहले करिश्मा ने फिल्म निश्चय शूट की, जिसके लिए न उन्हें ऑडिशन देना पड़ा, न ही उनका स्क्रीन टेस्ट लिया गया। हालांकि इस फिल्म से पहले ही उनकी दूसरी फिल्म प्रेम कैदी (1991) रिलीज हो गई।

सामंथा ने कन्फर्म की प्रेग्नेंसी

मेटरनिटी ब्रेक लेंगी, बेबी बंप दिखने से हुआ था खुलासा

नई दिल्ली। साउथ एक्ट्रेस सामंथा रुथप्रभू ने बुधवार को एक इवेंट में प्रेग्नेंसी की खबरों पर कन्फर्मेशन दे दी है। एक इवेंट में टी-शर्ट पहनने से दिखे बेबी बंप के बाद से ही एक्ट्रेस के प्रेग्नेंट होने की खबरें थीं। एक्ट्रेस ने अब बताया है कि वो मदरहुड के लिए फिल्मों से ब्रेक भी लेने वाली हैं।

सामंथा रुथप्रभू बुधवार को हाल ही में रिलीज हुई उनकी फिल्म मां इंती बंगारम के सक्सेस मीट में पति राज निदिमोरू के साथ पहुंची थीं। इवेंट में मीडिया से बातचीत करते हुए सामंथा ने प्रेग्नेंसी कन्फर्म करते हुए कहा, 'मां इंती बंगारम के बाद मैं अपनी कंडीशन को देखते हुए एक छोटा सा ब्रेक लूंगी। मुझे मेटरनिटी लीव लेनी ही पड़ेगी। इसके बाद मैं अपने फैंस के लिए एक और फिल्म के साथ वापसी करूंगी।'सामंथा रुथप्रभू की फिल्म मां इंती बंगारम 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। इस फिल्म को दर्शकों की काफी सराहना मिल रही है। फिल्म की सक्सेस का जश्न मनाने के लिए हाल ही में सामंथा एक फैन मीट-अप का हिस्सा बनी थीं, जहां उन्होंने व्हाइट टी-शर्ट के साथ डेनिम पेयर किया था। इवेंट से बाहर आते हुए हर किसी की नजर उनके बेबी बंप पर थी, जो फिटेड टी-शर्ट में साफ नजर आ रहा था। सामंथा रुथप्रभू ने 1 दिसंबर 2025 में द फैमिली मैन डायरेक्टर राज निदिमोरू से शादी की है। ये एक प्राइवेट वेडिंग थी, जिसमें सामंथा-राज के करीबी रिश्तेदार और दोस्त ही शामिल हुए थे। कपल ने सदगुरु के ईशा फाउंडेशन के लिंगा भैरवी मंदिर में प्राचीन योगिक परंपरा से भूत शुद्धि विवाह किया था।

सामंथा रुथप्रभू और राज निदिमोरू ने पॉपुलर सीरीज द फैमिली के दूसरे सीजन में साथ काम किया था। जिसे राज निदिमोरू और डीके ने मिलकर बनाया था।

विपक्षी नेताओं पर भड़के रामायण के लक्ष्मण सुनील लहरी

इटली से तुलना कर बोले- प्रधानमंत्री को भला-बुरा कहते हैं, शर्म की बात, चुल्लू भर पानी में डूब मरो

नई दिल्ली। रामानंद सागर के पॉपुलर टीवी शो रामायण में लक्ष्मण का किरदार निभाने वाले सुनील लहरी भारत की राजनीति और विपक्षी नेताओं पर भड़क गए हैं। उनका कहना है कि भारत के विपक्षी नेता ही बाहर के लोगों के साथ मिलकर देश की गरिमा से खिलवाड़ करते हैं। उन्होंने भारत को इटली की राजनीति से सीख लेने की सलाह दी है। सुनील लहरी ने आधिकारिक एक्स अकाउंट से एक वीडियो पोस्ट की है, जिसके साथ उन्होंने लिखा है, 'अगर देश को नंबर 1और मजबूत बनाना है तो विपक्ष को आपसी मतभेद भुलकर सत्ताधारी पार्टी का बाहर वाली नकारात्मक शक्तियों से देश की गरिमा और लड़ाई में साथ देना चाहिए ना कि उन बाहर वाली शक्तियों की हां में हां मिलानी चाहिए।'

शेयर किए गए वीडियो में सुनील ने कहा है, 'दोस्तों ये जानकर बहुत खुशी होती है कि आज भी दुनिया में कई देश ऐसे हैं, जो अपने देश, प्रधानमंत्री और सरकार की गरिमा के लिए आपसी मतभेद भूलकर साथ खड़े हैं।

हर तरफ मिसाइलें चल रही थीं, जिम्मेदार का पता लगाना मुश्किल, 175 जानें गई थीं

ईरानी स्कूल पर अमेरिकी मिसाइल गिरने के सबूत नहीं : डोनाल्ड ट्रम्प

इनकार

तेल अवीव, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के मिनाब गर्ल्स स्कूल पर हुए हमले में अमेरिकी मिसाइल के इस्तेमाल से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि उस वक्त हर तरफ मिसाइलें दागी जा रही थीं, इसलिए शायद कभी यह पता नहीं चल पाएगा कि हमले के लिए जिम्मेदार कौन था।

ट्रम्प ने कहा, "किसी ने कहा कि यह हमारी मिसाइल थी, लेकिन हो सकता है कि वह हमारी मिसाइल न हो। मैंने ऐसा कोई सबूत नहीं देखा, जिससे लगे कि यह हमला हमने किया था।"हालांकि 10 दिन पहले ही ट्रम्प ने इस घटना को गलती बताया था और कहा था कि स्कूल को जानबूझ-कर निशाना नहीं बनाया गया। मार्च में आई रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि सेना की शुरुआती जांच में हमले के पीछे अमेरिकी फोर्सेस का रोल होने की आशंका जताई गई थी। हालांकि पेंटागन ने अब तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है और जांच जारी है।

दक्षिणी ईरान में मिनाब स्कूल पर हमले के बाद का फुटेज। इस हमले में 175 छात्र और शिक्षका मार गए थे।

ईरान के मुताबिक, 28 फरवरी को मिनाब के गर्ल्स स्कूल पर हुए हमले में 175 से ज्यादा बच्चों और शिक्षकों की मौत हुई थी। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने इस हमले को भयावह बताया था।

अमेरिकी कच्चे तेल (WTI) की कीमत 70 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गई। ब्रेंट क्रूड भी गिरकर 73.50 डॉलर पर पहुंच गया, जिससे वैश्विक ऊर्जा बाजार को राहत मिली है। ट्रम्प ने अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट को तेल कंपनियों की जांच के निर्देश दिए। उनका आरोप है कि कच्चे तेल के दाम घटने के बावजूद कंपनियां ग्राहकों को राहत नहीं दे रहीं। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अयातुल्ला अली खामेनेई के राजकीय अंतिम संस्कार में शामिल होने का निमंत्रण भेजा है। ट्रम्प ने अमेरिकी न्याय विभाग को तेल कंपनियों की जांच के निर्देश दिए।

इजराइल ने लेबनान से सेना हटाने की खबरों को खारिज किया

इजराइली सैन्य अधिकारियों ने रॉयटर्स की उस रिपोर्ट को खारिज कर दिया है, जिसमें दावा किया गया था कि इजराइली सेना (IDF) लेबनान के कुछ इलाकों से पीछे हट गई है। अधिकारियों के मुताबिक, इजराइल सरकार ने अभी सेना को पीछे हटने का कोई आदेश नहीं दिया है।

हालांकि, दक्षिणी लेबनान से इजराइली सेना की संभावित वापसी को लेकर इजराइल और लेबनान के बीच सीधी बातचीत हुई है, लेकिन अभी तक इस पर कोई समझौता नहीं हुआ है।

इजराइल ने लेबनान से सेना हटाने की खबरों को खारिज किया

इजराइली सैन्य अधिकारियों ने रॉयटर्स की उस रिपोर्ट को खारिज कर दिया है, जिसमें दावा किया गया था कि इजराइली सेना (IDF) लेबनान के कुछ इलाकों से पीछे हट गई है। अधिकारियों के मुताबिक, इजराइल सरकार ने अभी सेना को पीछे हटने का कोई आदेश नहीं दिया है। हालांकि, दक्षिणी लेबनान से इजराइली सेना की संभावित वापसी को लेकर इजराइल और लेबनान के बीच सीधी बातचीत हुई है, लेकिन अभी तक इस पर कोई समझौता नहीं हुआ है।

यूजर्स का डेटा भारत से बाहर भेजने पर रोक

टेलीकॉम सेक्टर में लाइसेंस राज खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी

अब आपकी प्राइवेसी और पर्सनल डेटा पूरी तरह से सुरक्षित रहेगा, क्योंकि अब टेलीकॉम कंपनियों को आपके फोन, इंटरनेट इस्तेमाल और कॉलिंग से जुड़ा सभी तरह का डेटा और लॉग्स अब भारत में ही स्टोर करना होगा।

कोई भी कंपनी आपका पर्सनल डेटा देश के बाहर नहीं भेज पाएगी और न ही किसी विदेशी संस्था के साथ शेयर कर सकेगी। दरअसल, दूरसंचार विभाग (DoT) ने बुधवार को टेलीकॉम कंपनियों के लिए नए नियम जारी किए हैं। DoT ने कंपनियों के लिए टेलीकॉम सेक्टर में दशकों पुराना लाइसेंस राज खत्म कर एक नया और आसान मंजूरी सिस्टम शुरू किया है। इसके साथ ही सरकार ने 'टेलीकॉम ई-सर्विसेज पोर्टल' नाम की एक वेबसाइट भी बनाई है, ताकि सारा काम डिजिटल हो सके। अब तक कंपनियों को मोबाइल या इंटरनेट सेवाएं शुरू करने के लिए सरकार से जटिल और लंबी 'लाइसेंस' प्रक्रिया से गुजरना पड़ता था, जिसमें महीनों लग जाते थे। फायदाः अब नए 'ऑथराइजे-शन' सिस्टम से कंपनियां बहुत आसानी और तेजी से अपना काम शुरू कर पाएंगी। जब कंपनियों के लिए काम करना आसान होगा, तो आम जनता तक नई तकनीक (जैसे बेहतर 5G या ब्रॉडबैंड) बहुत जल्दी पहुंचेगी। साथ ही इससे पारदर्शिता भी बढ़ेगी।

जो टेलीकॉम कंपनियां पहले से काम कर रही हैं ।

हवाई सफर 25% तक महंगा हो सकता है

नई दिल्ली। आने वाले दिनों में हवाई सफर 25% तक महंगा हो सकता है। यह दावा ग्लोबल कंसल्टिंग फर्म मैकिंजी ने अपनी रिपोर्ट में किया है। रिपोर्ट में बताया गया कि, दुनियाभर में चल रहे जियो पॉलिटिकल तनाव और रिफाइनरी प्रोडक्शन में कमी के चलते जेट फ्यूल की सप्लाई प्रभावित हुई है, जिससे एयरलाइंस कंपनियों की लागत बढ़ गई है। कंपनियों पर बढ़े इसी आर्थिक बोझ का सीधा असर अब आम यात्रियों की जेब पर पड़ सकता है। बता दें कि रिपोर्ट में कहा गया है कि किसी भी हवाई टिकट की कीमत का करीब 30% हिस्सा सिर्फ फ्यूल कॉस्ट की लागत का होता है।

कच्चे तेल और उससे रिफाइन होने वाले फ्यूल प्रोडक्ट्स की कीमतों के अंतर को 'क्रैक स्प्रेड' कहा जाता है। आमतौर पर जेट फ्यूल का क्रैक स्प्रेड आमतौर पर $20 प्रति बैरल या उससे कम रहता है। मैकिंजी की रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2026 में इसके बढ़कर औसतन $50 प्रति बैरल से ज्यादा होने का अनुमान है।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और धार्मिक स्वतंत्रता पर उठे सवाल

ढाका, एजेंसी

- गाइबांधा में राम मूर्ति निर्माण कट्टरपंथियों के डर से रुका।
- फरीदपुर में छात्र नेता की पुलिस हिरासत में मौत।
- अंतरराष्ट्रीय संगठन ने न्यायिक जांच की मांग की।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और धार्मिक स्वतंत्रता के सरकारी वादे एक बार फिर गंभीर सवालों के घेरे में हैं।

गाइबांधा जिले के पलाशबाड़ी में श्री श्री राधा गोविंद और काली मंदिर परिसर में बन रही भगवान राम की 81 फीट ऊंची मूर्ति का निर्माण कार्य अचानक रोक दिया गया है।

करीब 80 फीसदी पूरा हो चुका यह प्रोजेक्ट किसी अदालती आदेश या सरकारी निर्देश के कारण नहीं, बल्कि बहुसंख्यक कट्टरपंथियों के डर और विरोध के कारण अधर में लटका है। स्थानीय हिंदू समुदाय के लिए यह रुका हुआ निर्माण केवल एक अधूरी मूर्ति नहीं, बल्कि देश में उनके वजूद और धार्मिक स्वतंत्रता की परीक्षा बन गया है। हालांकि मंदिर समिति का कहना है कि सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए काम रोका गया, लेकिन अल्पसंख्यकों को इसमें गहरा संदेह है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, स्थानीय प्रशासन ने तनाव बढ़ने का हवाला देकर समिति पर काम रोकने का परोक्ष दबाव बनाया। कोई लिखित आदेश न होने से सरकार को जिम्मेदारी से बचने का मौका मिल गया है, जबकि अगस्त 2024 में हुए तख्तापलट के बाद से देश में अल्पसंख्यकों पर सैकड़ों हमले दर्ज किए जा चुके हैं।

41 साल पहले आतंकी हमले में 329 लोगों की मौत हुई, ज्यादातर भारतीय मूल के थे

कनाडा ने माना एअर इंडिया फ्लाइट ब्लास्ट खालिस्तानियों ने किया

ओटावा, एजेंसी

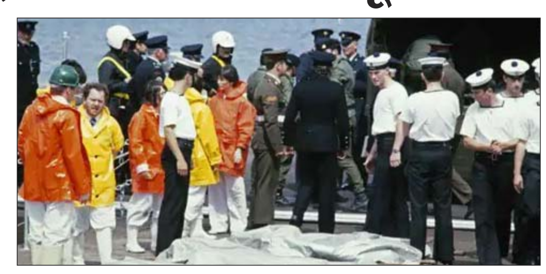

कनाडा ने पहली बार आधिकारिक तौर पर माना है कि 1985 में एयर इंडिया की फ्लाइट 182 'कनिष्क' में हुए बम धमाके के पीछे कनाडा में मौजूद खालिस्तानी आतंकियों का हाथ था। कनाडा की खुफिया एजेंसी कनाडियन सिक्योरिटी इंटेलिजेंस सर्विस(CSIS) ने इस घटना को 'जघन्य आतंकवादी काम' बताया है।

इस हादसे में विमान में सवार सभी 329 लोगों की मौत हुई थी। इनमें 268 कनाडाई नागरिक थे, जिनमें ज्यादातर भारतीय मूल के थे। 24 लोग भारत के नागरिक थे।

कनाडाई जांच एजेंसियों ने निष्कर्ष निकाला था कि यह हमला 1984 में हुए ऑपरेशन ब्लू स्टार के जवाब में किया गया था। ऑपरेशन ब्लू स्टार के दौरान भारतीय सेना ने अमृतसर के स्वर्ण मंदिर परिसर में छिपे आतंकियों के खिलाफ अभियान चलाया था। जांच के मुताबिक, इसी के प्रतिशोध में सिख अलगाववादियों ने एयर इंडिया विमान को निशाना बनाया।

एयर इंडिया फ्लाइट 182 पर हुआ हमला आज भी किसी यात्री विमान पर हुआ दुनिया का सबसे घातक बम धमाका माना जाता है। हालांकि 2001 के 9/11 हमलों के बाद यह घटना वैश्विक स्तर पर कुछ हद तक चर्चा से बाहर हो गई, लेकिन कनाडा, भारत और आयरलैंड में इसे आज भी नहीं भुलाया गया है।

आईएईए प्रमुख के बयान पर ईरान का जवाब

अंतिम समझौते के बाद परमाणु स्थलों का निरीक्षण संभव

- ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने एक्स पर यह बात कही। उन्होंने जापान में आइएईए के प्रमुख राफेल मारियानो ग्रासी की टिप्पणी की प्रतिक्रिया में यह जवाब दिया।

तेहरान, एजेंसी

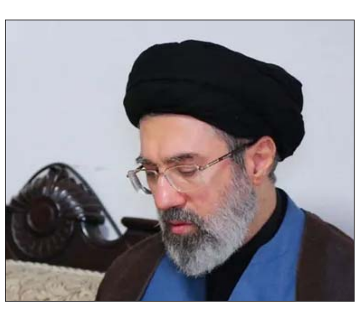

ईरान के एक राजनयिक ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आइएईए) के प्रमुख के उस बयान को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने ईरान के परमाणु स्थलों के निरीक्षण की बात कही थी। ईरानी राजनयिक ने यह साफ कहा कि इस तरह के निरीक्षण केवल अमेरिका और ईरान के बीच अंतिम समझौते के बाद ही संभव हो सकेंगे। गरीबाबादी ने पोस्ट में लिखा, ₹स्विट्ज़रलैंड में ग्रासी के अनुरोध के बावजूद उनके साथ कोई बैठक नहीं हुई और न ही उन स्थलों या परमाणु सामग्री तक पहुंच की कोई योजना है, जिन पर हमला किया गया था। उन्होंने कहा, ₹इन मुद्दों के बारे में केवल अंतिम समझौते के तहत और दूसरे पक्ष की तरफ से सभी प्रतिबंधों और अन्य उपायों को समाप्त करने के लिए व्यावहारिक कदम उठाए जाने के परिणामस्वरूप समीक्षा और निर्णय लिए जाएंगे। इससे पहले आईएईए प्रमुख ग्रासी ने संकेत दिया कि एजेंसी के निरीक्षक ईरान के परमाणु संवर्धन स्थलों का दौरा करेंगे, जो युद्ध समाप्त करने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच हुए अंतरिम समझौते का एक मुख्य हिस्सा है। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था आईएईए के प्रमुख ने टोक्यो में पत्रकारों से बातचीत के दौरान यह टिप्पणी की।

डे हाई से 703 अंक टूटकर बंद हुआ सेंसेक्स

निफ्टी 24,050 के करीब बंद

- आईटी और मेटल शेयरों में बिकवाली
- अद्वित ज्वेल्स का आईपीओ आज बंद होगा

मुंबई, एजेंसी

आज यानी गुरुवार 25 जून को सेंसेक्स अपने डे हाई से 703 अंक टूट गया, वहीं निफ्टी भी 24,100 के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे फिसल गया। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 109 अंक (0.14%) की बढ़त के साथ 77,100 पर और निफ्टी 34 अंक (0.14%) बढ़कर 24,056 पर बंद हुआ।

आज के कारोबार में ऑटो और FMCG शेयरों में सबसे ज्यादा खरीदारी रही। वहीं आईटी और मेटल शेयरों में बिकवाली। निफ्टी के 50 शेयरों में से 25 में तेजी और 25 में गिरावट रही। वहीं सेंसेक्स के 30 में से 19 शेयरों में गिरावट और 11 शेयरों में तेजी रही। इंडिगो सेंसेक्स का टॉप गेनर रहा। अद्वित ज्वेल्स लिमिटेड का IPO आज यानी 25 जून को बंद होगा। आखिरी दिन सुबह 10:30 बजे तक ये आईपीओ 63.29 गुना सब्सक्राइब हो चुका है। यह आईपीओ पब्लिक सब्सक्रिप्शन के लिए 23 जून को खुला था और आज शाम करीब 5:00 बजे बंद हो जाएगा। इसकी लिस्टिंग 1 जुलाई 2026 को होगी।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96